

1. In the following 'I' refers to current and other symbols have their usual meaning. Choose the option that corresponds to the dimensions of electrical conductivity :

- (1)  $ML^{-3}T^{-3}I^2$
- (2)  $M^{-1}L^3T^3I$
- (3)  $M^{-1}L^{-3}T^3I^2$
- (4)  $M^{-1}L^{-3}T^3I$

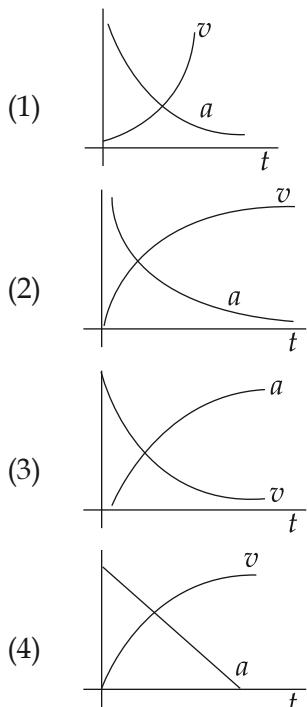
1. निम्नलिखित में 'I' विद्युत धारा को एवं अन्य चिह्न अपने सामान्य अर्थ को इंगित करते हैं। निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प वैद्युत चालकता की सही विमा को बताता है ?

- (1)  $ML^{-3}T^{-3}I^2$
- (2)  $M^{-1}L^3T^3I$
- (3)  $M^{-1}L^{-3}T^3I^2$
- (4)  $M^{-1}L^{-3}T^3I$

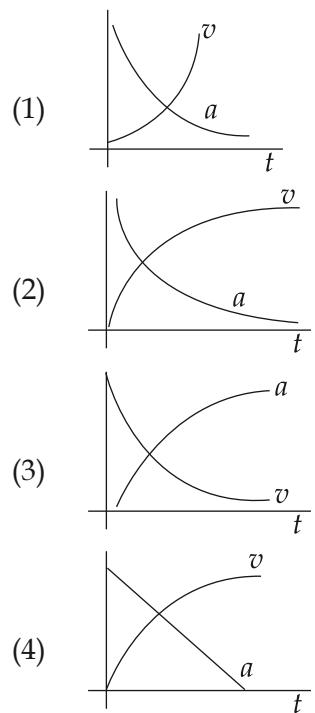
1. નિમ્નલિખિતમાં 'I' એ વિદ્યુતપ્રવાહ દર્શાવે છે તથા અન્ય સંખ્યાઓ તેનો પ્રચલિત અર્થ. નીચે આપેલ વિકલ્પોમાંથી વિદ્યુતપ્રવાહકતાનું સાચું પરિમાણ દર્શાવતો વિકલ્પ પસંદ કરો.

- (1)  $ML^{-3}T^{-3}I^2$
- (2)  $M^{-1}L^3T^3I$
- (3)  $M^{-1}L^{-3}T^3I^2$
- (4)  $M^{-1}L^{-3}T^3I$

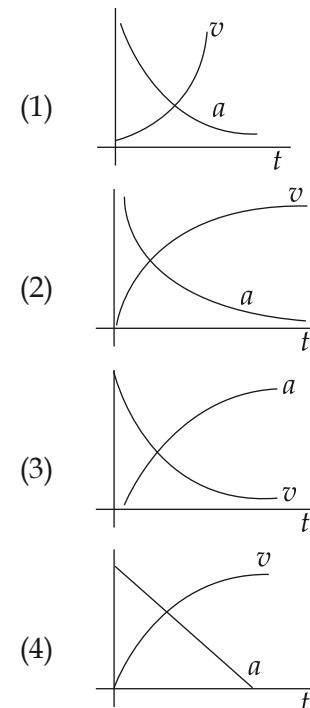
2. Which of the following option correctly describes the variation of the speed  $v$  and acceleration ' $a$ ' of a point mass falling vertically in a viscous medium that applies a force  $F = -kv$ , where ' $k$ ' is a constant, on the body ? (Graphs are schematic and not drawn to scale)



2. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प उस बिन्दु-द्रव्यमान की गति ' $v$ ' और त्वरण ' $a$ ' के बदलाव को सही तरह से दर्शाता है जो कि किसी श्यान माध्यम में ऊर्ध्वाधर दिशा में नीचे की ओर गिरते हुए माध्यम के कारण एक बल  $F = -kv$ , जहाँ पर ' $k$ ' एक नियतांक है, का अनुभव करता है। (ग्राफों का व्यवस्थात्मक निरूपण माप के अनुसार नहीं है।)



2. निम्नलिखित विकल्पोंमध्ये क्यों विकल्प बिंदु द्रव्यमाननी गति  $v$  अने प्रवेग  $a$  नो साचो संबंध वार्षिके छे. अही बिंदु द्रव्यमान ए स्थान माध्यम के  $F = -kv$  जेटलो पदार्थ पर बળ लगाइ छे तेवा माध्यमां उदर्व नीचे तरफ पडे छे. ' $k$ ' ए अचणांक छे. (ग्राफनु व्यवस्थात्मक निरूपण छे अने भाप अनुसार नथी.)



3. A rocket is fired vertically from the earth with an acceleration of  $2g$ , where  $g$  is the gravitational acceleration. On an inclined plane inside the rocket, making an angle  $\theta$  with the horizontal, a point object of mass  $m$  is kept. The minimum coefficient of friction  $\mu_{\min}$  between the mass and the inclined surface such that the mass does not move is :

- (1)  $\tan\theta$
- (2)  $2 \tan\theta$
- (3)  $3 \tan\theta$
- (4)  $\tan 2\theta$

4. A car of weight  $W$  is on an inclined road that rises by 100 m over a distance of 1 km and applies a constant frictional force  $\frac{W}{20}$  on the car. While moving uphill on the road at a speed of  $10 \text{ ms}^{-1}$ , the car needs power

$P$ . If it needs power  $\frac{P}{2}$  while moving downhill at speed  $v$  then value of  $v$  is :

- (1)  $20 \text{ ms}^{-1}$
- (2)  $15 \text{ ms}^{-1}$
- (3)  $10 \text{ ms}^{-1}$
- (4)  $5 \text{ ms}^{-1}$

3. एक रॉकेट को पृथ्वी से ऊर्ध्वाधर दिशा में  $2g$  के त्वरण से प्रक्षेपित किया गया है। इस रॉकेट के अंदर क्षेत्र से  $\theta$  कोण बनाते हुए एक आनत-तल पर एक  $m$  द्रव्यमान का बिंदु कण स्थित है। यदि रॉकेट के प्रक्षेपित होने पर बिंदु-कण स्थिर अवस्था में ही रहता है तब द्रव्यमान एवं आनत तल के बीच घर्षण-गुणांक  $\mu_{\min}$  का मान क्या होगा? (' $g$ ' गुरुत्वाय त्वरण है) :

- (1)  $\tan\theta$
- (2)  $2 \tan\theta$
- (3)  $3 \tan\theta$
- (4)  $\tan 2\theta$

4. एक  $W$  भार की कार एक ऐसी आनत-सड़क पर चल रही है जो कि 1 km दूरी पर 100 m ऊँची हो जाती है, और कार पर  $\frac{W}{20}$  मान का नियत घर्षण बल लगाती है। यदि कार को सड़क पर ऊपर की ओर  $10 \text{ ms}^{-1}$  की गति हेतु  $P$  शक्ति की आवश्यकता है एवं नीचे की ओर

$v$  गति से चलाने हेतु  $\frac{P}{2}$  शक्ति की आवश्यकता पड़ती है, तो  $v$  का मान होगा :

- (1)  $20 \text{ ms}^{-1}$
- (2)  $15 \text{ ms}^{-1}$
- (3)  $10 \text{ ms}^{-1}$
- (4)  $5 \text{ ms}^{-1}$

3. एक रॉकेटने पृथ्वीशी उर्ध्व दिशामां 2 $g$  प्रवेगाथी प्रक्षेपित करवामां आवे छे. अहीं  $g$  गुरुत्वप्रवेग छे. आ रॉकेटमां समक्षितिज साथे  $\theta$ जेटलो खुशो बनावता ढणता पाठिया पर  $m$  - दणनो एक बिंदुवत पदार्थ मुकेल छे. आ दण स्थिर रहे (भसे नहीं) ते भाटेनो दण अने ढणता पाठियानी सपाई वच्चेनो लधुतम धर्षणांक  $\mu_{\min}$  छे.

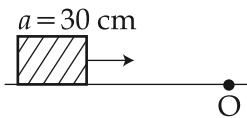
- (1)  $\tan\theta$
- (2)  $2 \tan\theta$
- (3)  $3 \tan\theta$
- (4)  $\tan 2\theta$

4. 1 km ना अंतर सुधीमां 100 m जेटलो ऊंचो थर्ड जता ढोणाववाणा रोड उपर  $W$  वजननी एक कार छे.

ढोणाववाणो आ रोड कार पर  $\frac{W}{20}$  जेटलुं अचण धर्षण भण लगाडे छे.  $10 \text{ ms}^{-1}$  नी गतिथी रोड पर उपर तरङ्ग जतां कारने पावर  $P$  नी ज़रूर पडे छे. जे कार ढोणाव परथी  $v$  जेटली झડपथी नीचे उतरता पावर  $\frac{P}{2}$  नी ज़रूर पडे तो  $v$  छे :

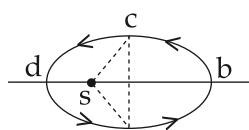
- (1)  $20 \text{ ms}^{-1}$
- (2)  $15 \text{ ms}^{-1}$
- (3)  $10 \text{ ms}^{-1}$
- (4)  $5 \text{ ms}^{-1}$

5. A cubical block of side 30 cm is moving with velocity  $2 \text{ ms}^{-1}$  on a smooth horizontal surface. The surface has a bump at a point O as shown in figure. The angular velocity (in rad/s) of the block immediately after it hits the bump, is :



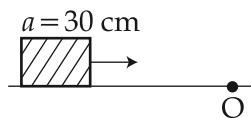
- (1) 5.0
- (2) 6.7
- (3) 9.4
- (4) 13.3

6. Figure shows elliptical path abcd of a planet around the sun S such that the area of triangle csa is  $\frac{1}{4}$  the area of the ellipse. (See figure) With db as the semimajor axis, and ca as the semiminor axis. If  $t_1$  is the time taken for planet to go over path abc and  $t_2$  for path taken over cda then :



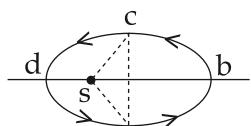
- (1)  $t_1 = t_2$
- (2)  $t_1 = 2t_2$
- (3)  $t_1 = 3t_2$
- (4)  $t_1 = 4t_2$

5. एक 30 cm भुजा वाला घनीय ब्लॉक एक चिकने क्षेत्रज तल पर  $2 \text{ ms}^{-1}$  के वेग से गतिमान है। जैसा कि चित्र में दिखाया गया है, O पर एक अवरोध स्थित है। अवरोध से टकराने के तुरंत बाद ब्लॉक का कोणीय वेग (रेडियन/सेकंड में) होगा :



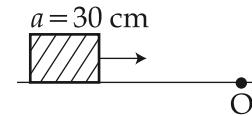
- (1) 5.0
- (2) 6.7
- (3) 9.4
- (4) 13.3

6. एक ग्रह सूर्य S के चारों ओर एक दीर्घवृत्तीय कक्ष abcd में इस तरह से चक्कर लगाता है कि csa त्रिभुज का क्षेत्रफल दीर्घवृत्त के क्षेत्रफल का एक-चौथाई है (यहाँ पर ac लघु-अक्ष एवं bd दीर्घ-अक्ष है)। यदि ग्रह abc तथा cda कक्षीय पथों के लिए क्रमशः  $t_1$  तथा  $t_2$  का समय लेता है, तब :



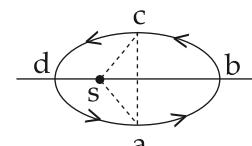
- (1)  $t_1 = t_2$
- (2)  $t_1 = 2t_2$
- (3)  $t_1 = 3t_2$
- (4)  $t_1 = 4t_2$

5. 30 cm भाजुवालो एक समधन  $2 \text{ ms}^{-1}$  ना वेगथी समक्षितिज सपाठी पर गति करे छे. आँखूतिमां दर्शाव्या प्रभाषे O बिंदु पासे एक भम्प छे. आ भम्पने अथडाय के तरत ज समधननो कोइयवेगा (rad/sमां) छे :

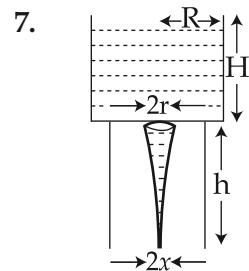


- (1) 5.0
- (2) 6.7
- (3) 9.4
- (4) 13.3

6. सूर्य (S)  $t_1$  नी फूरते गति करता एक उपग्रहनो उपवलयी भार्ग abcd ए आँखूतिमां दर्शावेल छे. ज्यां त्रिभुज csa नु क्षेत्रफल ए उपवलयना क्षेत्रफलनु  $\frac{1}{4}$  छे, db ए तेनी दीर्घ-अक्ष तथा ca तेनी लघु-अक्ष छे. जो उपग्रह तेना कक्षीय पथ abc अने cda भाटे लेवातो समय अनुकम्भे  $t_1$  अने  $t_2$  होय तो :



- (1)  $t_1 = t_2$
- (2)  $t_1 = 2t_2$
- (3)  $t_1 = 3t_2$
- (4)  $t_1 = 4t_2$



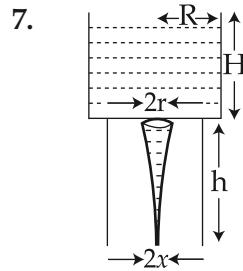
Consider a water jar of radius  $R$  that has water filled up to height  $H$  and is kept on a stand of height  $h$  (see figure). Through a hole of radius  $r$  ( $r \ll R$ ) at its bottom, the water leaks out and the stream of water coming down towards the ground has a shape like a funnel as shown in the figure. If the radius of the cross-section of water stream when it hits the ground is  $x$ . Then :

$$(1) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)$$

$$(2) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)^{\frac{1}{2}}$$

$$(3) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)^{\frac{1}{4}}$$

$$(4) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)^2$$



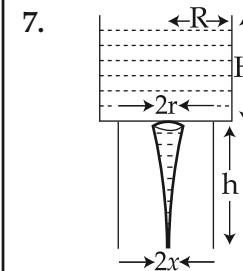
एक  $R$  त्रिज्या के पानी के जार, जिसे पानी से  $H$  ऊँचाई तक भरा गया है, को  $h$  ऊँचाई के स्टैंड पर रखा गया है (चित्र देखें)। तल में एक छोटे छिद्र, जिसकी त्रिज्या  $r$  है ( $r \ll R$ ), से नीचे गिरते हुए पानी की धार एक 'कीप' का आकार धारण करती है। यदि भूमि के तल पर पानी की धार के अनुप्रस्थ काट की त्रिज्या  $x$  है, तब :

$$(1) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)$$

$$(2) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)^{\frac{1}{2}}$$

$$(3) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)^{\frac{1}{4}}$$

$$(4) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)^2$$



$R$  त्रिज्या धरावता एक पाणीना जरमां  $H$  ऊँचाई सुधीनुं पाणी भरेलુ अને તેને  $h$  ઊँचाईના સ્ટैન्ड પર રાખેલ છે તેમ ધારો. (આકૃતિ જુઓ) જરના તળીયે  $r$ -ત્રિજ્યાના એક કાણમાંથી ( $r \ll R$ ) પાણી નિકળે છે જે ગ્રાઉન્ડ તરફ નાળચાના આકારમાં બોવા મળે છે. આ પાણીની ધારા જ્યારે જમીનને અડે છે ત્યારે તેના આડછેદની ત્રિજ્યા  $x$  છે તો :

$$(1) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)$$

$$(2) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)^{\frac{1}{2}}$$

$$(3) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)^{\frac{1}{4}}$$

$$(4) \quad x = r \left( \frac{H}{H + h} \right)^2$$

8. 200 g water is heated from 40°C to 60°C. Ignoring the slight expansion of water, the change in its internal energy is close to (Given specific heat of water = 4184 J/kg/K) :

- (1) 8.4 kJ
- (2) 4.2 kJ
- (3) 16.7 kJ
- (4) 167.4 kJ

9. The ratio of work done by an ideal monoatomic gas to the heat supplied to it in an isobaric process is :

- (1)  $\frac{3}{5}$
- (2)  $\frac{2}{3}$
- (3)  $\frac{3}{2}$
- (4)  $\frac{2}{5}$

8. पानी के विस्तार को नगण्य मानते हुए, 200 g पानी को 40°C से 60°C तक गरम करने पर उसकी आंतरिक ऊर्जा में अनुमानित परिवर्तन होगा (पानी का विशिष्ट ताप = 4184 J/kg/K ले) :

- (1) 8.4 kJ
- (2) 4.2 kJ
- (3) 16.7 kJ
- (4) 167.4 kJ

9. किसी समभारिक प्रक्रिया में एक आदर्श एकपरमाणुक गैस के द्वारा किये गए कार्य तथा उसे दी गई ऊष्मा का अनुपात होगा :

- (1)  $\frac{3}{5}$
- (2)  $\frac{2}{3}$
- (3)  $\frac{3}{2}$
- (4)  $\frac{2}{5}$

8. 200 g पाणीने 40°C थी 60°C तुधी गरम करवामां आવे છે. પાણીનું વિસ્તરણ અખગળાતા, તેની આંતરિક ઊર્જમાં થતો ફેરફાર એ લગભગ હશે :

(પાણીની વિશિષ્ટ ઉઝમા = 4184 J/kg/K)

- (1) 8.4 kJ
- (2) 4.2 kJ
- (3) 16.7 kJ
- (4) 167.4 kJ

9. કોઈ સમભારિક પ્રક્રિયામાં એક આદર્શ એક પરમાણવીય વાયુ દ્વારા થતા કાર્ય તથા તેને આપવામાં આવતી ઉઝમાનો ગુણોત્તર છે :

- (1)  $\frac{3}{5}$
- (2)  $\frac{2}{3}$
- (3)  $\frac{3}{2}$
- (4)  $\frac{2}{5}$

10. Two particles are performing simple harmonic motion in a straight line about the same equilibrium point. The amplitude and time period for both particles are same and equal to  $A$  and  $T$ , respectively. At time  $t=0$  one particle has displacement  $A$  while the other one has displacement  $\frac{-A}{2}$  and they are moving towards each other. If they cross each other at time  $t$ , then  $t$  is :

- (1)  $\frac{T}{6}$
- (2)  $\frac{5T}{6}$
- (3)  $\frac{T}{3}$
- (4)  $\frac{T}{4}$

11. Two engines pass each other moving in opposite directions with uniform speed of  $30 \text{ m/s}$ . One of them is blowing a whistle of frequency  $540 \text{ Hz}$ . Calculate the frequency heard by driver of second engine before they pass each other. Speed of sound is  $330 \text{ m/sec}$ :

- (1)  $450 \text{ Hz}$
- (2)  $540 \text{ Hz}$
- (3)  $648 \text{ Hz}$
- (4)  $270 \text{ Hz}$

10. दो कण एक सरल रेखीय पथ पर स्थित एक ही माध्य बिंदु के सापेक्ष इस तरह से सरल आवर्त गतिमान अवस्था में हैं कि उनके आयाम ( $A$ ) तथा आवर्त-काल ( $T$ ) एक समान हैं। यदि  $t=0$  समय पर एक-दूसरे की तरफ आते हुए, एक कण का विस्थापन  $A$  है तथा दूसरे कण का विस्थापन  $\frac{-A}{2}$  हो, तो  $t$  समय पर वे एक दूसरे को पार करते हैं।  $t$  का मान होगा :

- (1)  $\frac{T}{6}$
- (2)  $\frac{5T}{6}$
- (3)  $\frac{T}{3}$
- (4)  $\frac{T}{4}$

11. दो रेल-इंजन एक-दूसरे को पार करते हुए विपरीत दिशा में  $30 \text{ m/s}$  की एक समान गति से चल रहे हैं। उनमें से एक इंजन यदि  $540 \text{ Hz}$  आवृत्ति से सीटी बजा रहा है, तो दूसरे इंजन के ड्राईवर द्वारा सुनी गई ध्वनि की आवृत्ति होगी (ध्वनि की गति का मान  $330 \text{ m/sec}$  हो) :

- (1)  $450 \text{ Hz}$
- (2)  $540 \text{ Hz}$
- (3)  $648 \text{ Hz}$
- (4)  $270 \text{ Hz}$

10. એકજ સમતુલીત બિંદુની સપેક્ષે બે કણો સીધી રેખામાં સરળ આવર્તગતિ કરે છે. આ બંને કણો માટે કંપવિસ્તાર તથા આવર્ત કાળ સમાન છે અને તે કમશા:  $A$  તથા  $T$  છે.  $t=0$  સમયે, એકબીજા તરફ આવતા એક કણનું સ્થાનાંતર  $A$  તથા બીજાનું સ્થાનાંતર  $\frac{-A}{2}$  છે. જો  $t$  સમયે તે એકબીજાને પાર કરે તો  $t$  છે :

- (1)  $\frac{T}{6}$
- (2)  $\frac{5T}{6}$
- (3)  $\frac{T}{3}$
- (4)  $\frac{T}{4}$

11. બે એન્જિન એકબીજાને પાર કરતા વિપરીત દિશામાં  $30 \text{ m/s}$  ની સમાન ગતિથી ચાલે છે. આમાનું એક એન્જિન જો  $540 \text{ Hz}$  આવૃત્તિથી સીટી વગાડી રહ્યું હોય, તો બીજુ એન્જિનના દ્રાવયર વડે સંભળાતા અવાજની આવૃત્તિ હશે : (અવાજની ઝડપ  $330 \text{ m/sec}$  લો)

- (1)  $450 \text{ Hz}$
- (2)  $540 \text{ Hz}$
- (3)  $648 \text{ Hz}$
- (4)  $270 \text{ Hz}$

12. The potential (in volts) of a charge distribution is given by

$$V(z) = 30 - 5z^2 \text{ for } |z| \leq 1 \text{ m}$$

$$V(z) = 35 - 10|z| \text{ for } |z| \geq 1 \text{ m.}$$

$V(z)$  does not depend on  $x$  and  $y$ . If this potential is generated by a constant charge per unit volume  $\rho_0$  (in units of  $\epsilon_0$ ) which is spread over a certain region, then choose the correct statement.

- (1)  $\rho_0 = 10 \epsilon_0$  for  $|z| \leq 1 \text{ m}$  and  $\rho_0 = 0$  elsewhere
- (2)  $\rho_0 = 20 \epsilon_0$  in the entire region
- (3)  $\rho_0 = 40 \epsilon_0$  in the entire region
- (4)  $\rho_0 = 20 \epsilon_0$  for  $|z| \leq 1 \text{ m}$  and  $\rho_0 = 0$  elsewhere

13. Three capacitors each of  $4 \mu\text{F}$  are to be connected in such a way that the effective capacitance is  $6 \mu\text{F}$ . This can be done by connecting them :

- (1) all in series
- (2) two in series and one in parallel
- (3) all in parallel
- (4) two in parallel and one in series

12. एक आवेश-वितरण के द्वारा निम्नलिखित विभव (वोल्ट में) उत्पन्न होता है :

$$V(z) = 30 - 5z^2, |z| \leq 1 \text{ m} \text{ में}$$

$$V(z) = 35 - 10|z|, |z| \geq 1 \text{ m} \text{ में}$$

$V(z), x$  एवं  $y$  पर निर्भर नहीं करता। यदि यह विभव एक नियत आवेश जो प्रति इकाई आयतन  $\rho_0$  ( $\epsilon_0$  इकाइयों में) है तथा एक दिये हुए क्षेत्र में फैला हुआ है, से उत्पादित है, तब निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन करें :

- (1)  $\rho_0 = 10 \epsilon_0, |z| \leq 1 \text{ m}$  में तथा  $\rho_0 = 0$  अन्यत्र
- (2)  $\rho_0 = 20 \epsilon_0$ , सर्वत्र
- (3)  $\rho_0 = 40 \epsilon_0$ , सर्वत्र
- (4)  $\rho_0 = 20 \epsilon_0, |z| \leq 1 \text{ m}$  में तथा  $\rho_0 = 0$  अन्यत्र

13.  $4 \mu\text{F}$  धारिता के तीन संधारित्रों से इस तरह से संयोजन बनाना है कि प्रभावी धारिता  $6 \mu\text{F}$  हो जाए। यह निम्न संयोजन से प्राप्त किया जा सकता है :

- (1) तीनों श्रेणी क्रम में
- (2) दो श्रेणी क्रम में तथा तीसरा पार्श्वक्रम में
- (3) तीनों पार्श्वक्रम में
- (4) दो पार्श्वक्रम में तथा तीसरा श्रेणी क्रम में

12. एक विद्युतभार वितरणमां विभव (volts मां)

$$V(z) = 30 - 5z^2, |z| \leq 1 \text{ m} \text{ माटे}$$

$V(z) = 35 - 10|z|, |z| \geq 1 \text{ m}$  માટે આપવામાં આવે છે.

$V(z)$  એ  $x$  અને  $y$  પર આધાર રાખતો નથી. જો આ સ્થિતિમાન એ નિયત વિજભાર પ્રતિ  $k\epsilon_0 \rho_0$  ( $\epsilon_0$  ના એકમમાં) વડે ઉત્પન્ન કરવામાં આવે કે જે કોઈ એક ચોક્કસ ક્ષેત્રમાં વિસ્તરેલ હોય, તો સાચું વિધાન પસંદ કરો.

- (1)  $\rho_0 = 10 \epsilon_0, |z| \leq 1 \text{ m}$  માટે તથા  $\rho_0 = 0$  અન્યત્ર

- (2)  $\rho_0 = 20 \epsilon_0$  સર્વક્ષેત્રમાં

- (3)  $\rho_0 = 40 \epsilon_0$  સર્વક્ષેત્રમાં

- (4)  $\rho_0 = 20 \epsilon_0, |z| \leq 1 \text{ m}$  માટે અને  $\rho_0 = 0$  અન્યત્ર

13.  $4 \mu\text{F}$  નો એક એવા ત્રણ કેપા સિટરો એ રીતે જોડવામાં આવેલ છે કે તેમનો સમતુલ્ય કેપાસિટન્સ  $6 \mu\text{F}$  છે. આવું તેમને :

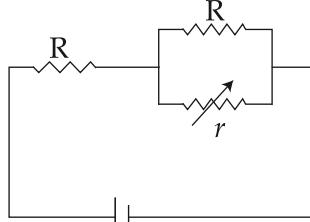
- (1) શ્રેણીમાં જોડવાથી થઈ શકે

- (2) બેને શ્રેણીમાં અને એકને સમાંતર જોડવાથી થઈ શકે

- (3) સમાંતર જોડવાથી થઈ શકે

- (4) બેને સમાંતર અને એકને શ્રેણીમાં જોડવાથી થઈ શકે

14.



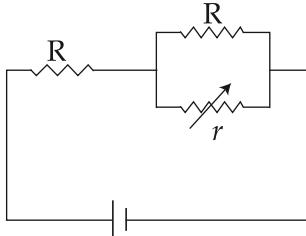
In the circuit shown, the resistance  $r$  is a variable resistance. If for  $r=fR$ , the heat generation in  $r$  is maximum then the value of  $f$  is :

- (1)  $\frac{1}{4}$
- (2)  $\frac{1}{2}$
- (3)  $\frac{3}{4}$
- (4) 1

15. A magnetic dipole is acted upon by two magnetic fields which are inclined to each other at an angle of  $75^\circ$ . One of the fields has a magnitude of  $15 \text{ mT}$ . The dipole attains stable equilibrium at an angle of  $30^\circ$  with this field. The magnitude of the other field (in  $\text{mT}$ ) is close to :

- (1) 11
- (2) 36
- (3) 1
- (4) 1060

14.



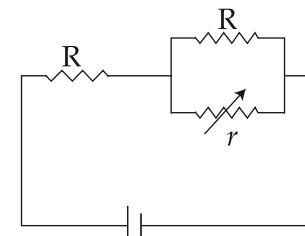
दिये हुए परिपथ में  $r$  एक चर-प्रतिरोध है। यदि  $r=fR$ , तब  $r$  में ऊष्मा उत्पादन अधिकतम होने के लिये  $f$  का मान होगा :

- (1)  $\frac{1}{4}$
- (2)  $\frac{1}{2}$
- (3)  $\frac{3}{4}$
- (4) 1

15. एक चुम्बकीय द्विध्रुव पर दो चुम्बकीय क्षेत्र, जो आपस में  $75^\circ$  कोण बनाते हैं, एक साथ क्रिया करते हैं। यदि यह द्विध्रुव संतुलन की अवस्था में चुम्बकीय प्रेरण  $15 \text{ mT}$  के एक चुम्बकीय क्षेत्र से  $30^\circ$  का कोण बनाता है, तो दूसरे चुम्बकीय क्षेत्र के चुम्बकीय प्रेरण का लगभग मान (  $\text{mT}$  में ) होगा :

- (1) 11
- (2) 36
- (3) 1
- (4) 1060

14.



આપેલ પરિપથમાં  $r$  એક ચર અવરોધ છે. જો  $r=fR$  માટે  $r$  માં મહત્વમાં ઉજ્ઝવા ઉત્પન્ન થાય તો  $f$  ની કિંમત થશે :

- (1)  $\frac{1}{4}$
- (2)  $\frac{1}{2}$
- (3)  $\frac{3}{4}$
- (4) 1

15. એકબીજાની સામે  $75^\circ$  ના ખુણો દળતા બે ચુંબકીય ક્ષેત્રો પર એક ચુંબકીય દ્વિ-ધ્રુવ (Dipole) કાર્યરત છે. કોઈ એક ક્ષેત્રનું મુલ્ય  $15 \text{ mT}$  છે અને આ ક્ષેત્ર સાથે  $30^\circ$  ના ખુણાથી ડાયપોલ સ્થાયી સંતુલીત અવસ્થા પ્રાપ્ત કરે છે. બીજા ક્ષેત્રનું મુલ્ય (  $\text{mT}$  માં ) આશરે હશે :

- (1) 11
- (2) 36
- (3) 1
- (4) 1060

16. A  $50\ \Omega$  resistance is connected to a battery of 5 V. A galvanometer of resistance  $100\ \Omega$  is to be used as an ammeter to measure current through the resistance, for this a resistance  $r_s$  is connected to the galvanometer. Which of the following connections should be employed if the measured current is within 1% of the current without the ammeter in the circuit ?

- (1)  $r_s = 0.5\ \Omega$  in parallel with the galvanometer
- (2)  $r_s = 0.5\ \Omega$  in series with the galvanometer
- (3)  $r_s = 1\ \Omega$  in series with galvanometer
- (4)  $r_s = 1\ \Omega$  in parallel with galvanometer

16. एक  $50\ \Omega$  का प्रतिरोध एक 5 V की बैटरी से जुड़ा हुआ है। एक गैल्वेनोमीटर जिसका प्रतिरोध  $100\ \Omega$  है, को एम्पीयरमीटर के रूप में प्रयोग किया जाना है। गैल्वेनोमीटर के साथ एक प्रतिरोध  $r_s$  संयोजित है। यदि इस संयोजन में मापित धारा एम्पीयरमीटर को हटाने पर मापित धारा के मान से 1% के भीतर हो तो निम्नलिखित में से कौन-सा संयोजन उचित होगा ?

- (1)  $r_s = 0.5\ \Omega$  गैल्वेनोमीटर के साथ पार्श्वक्रम में
- (2)  $r_s = 0.5\ \Omega$  गैल्वेनोमीटर के साथ श्रेणी क्रम में
- (3)  $r_s = 1\ \Omega$  गैल्वेनोमीटर के साथ श्रेणी क्रम में
- (4)  $r_s = 1\ \Omega$  गैल्वेनोमीटर के साथ पार्श्वक्रम में

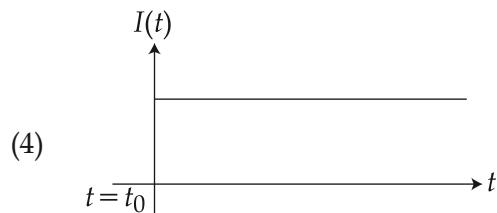
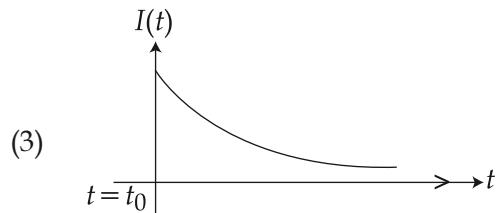
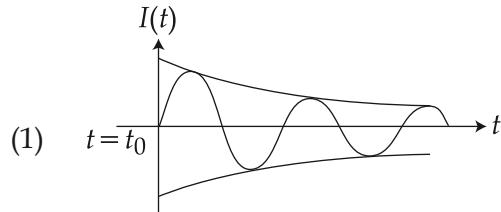
16. 5 V नी बेटरी साथे  $50\ \Omega$  नो एक अवरोध लगाइए छे. आ अवरोधमांथी पसार थता प्रवाह मापવा  $100\ \Omega$  ना अवरोध धरावतुं गैल्वेनोमीटरने एमिटर तरकि वापरवामां आवे छे. आ भाटे एक अवरोध  $r_s$  गैल्वेनोमीटर साथे जोडवामां आवे छे.

नीये आपेल क्यु जोडाण वापरवुं जोईअे के जेथी भापेल प्रवाह ए एमिटर वगर परिपथना मांना प्रवाहनी 1% नी अवधिमां होय.

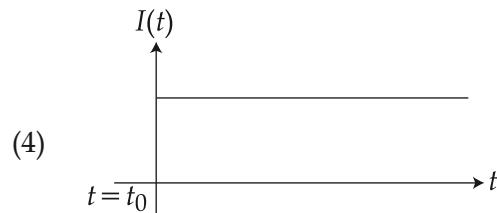
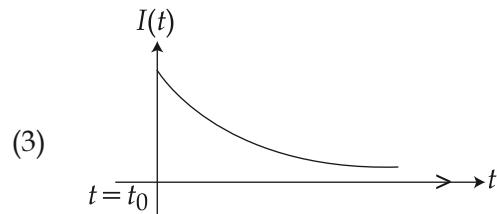
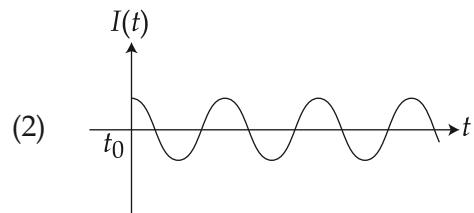
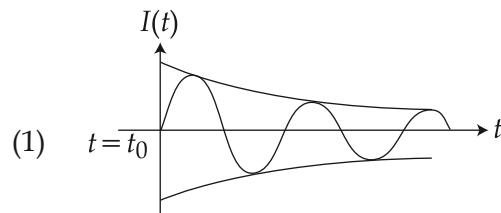
- (1)  $r_s = 0.5\ \Omega$  गैल्वेनोमीटरने समांतर
- (2)  $r_s = 0.5\ \Omega$  गैल्वेनोमीटरनी श्रेणीमां
- (3)  $r_s = 1\ \Omega$  गैल्वेनोमीटरनी श्रेणीमां
- (4)  $r_s = 1\ \Omega$  गैल्वेनोमीटरने समांतर

17. A series  $LR$  circuit is connected to a voltage source with  $V(t) = V_0 \sin \Omega t$ . After very large time, current  $I(t)$  behaves as

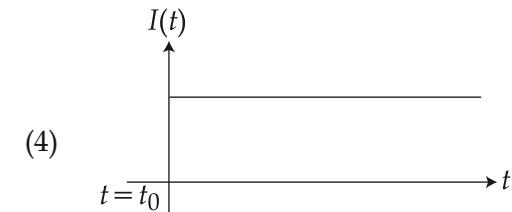
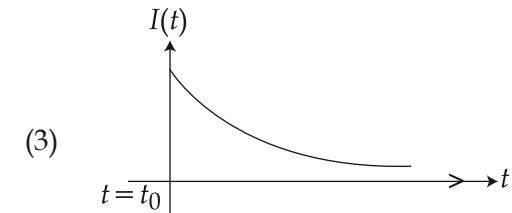
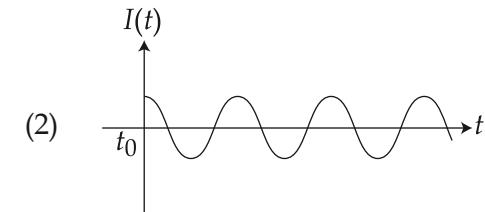
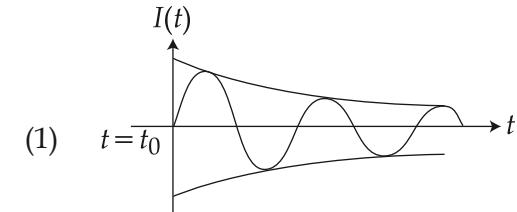
$$\left( t_0 \gg \frac{L}{R} \right) :$$



17. एक श्रेणी  $LR$  परिपथ को एक वोल्टीय स्रोत  $V(t) = V_0 \sin \Omega t$  से जोड़ा जाता है काफी लंबे समय बाद विद्युत धारा  $I(t)$  का सही चित्रण किस तरह का होगा?  $\left( \text{जहाँ } t_0 \gg \frac{L}{R} \right)$

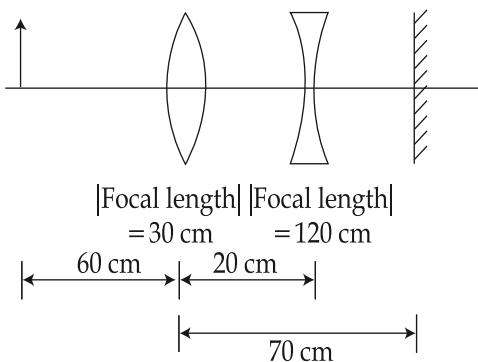


17. એક  $LR$  શ્રેણી પરિપથ  $V(t) = V_0 \sin \Omega t$  વોલ્ટેજ સ્રોત સાથે જોડે છે. આ લાંબા સમય અંતરાલ બાદ, વિદ્યુત પ્રવાહ  $I(t)$  વર્તશે  $\left( t_0 \gg \frac{L}{R} \right) :$



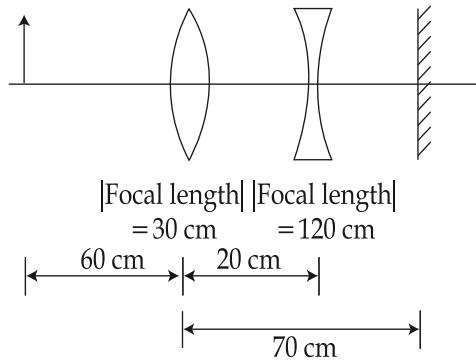
- |   |   |   |
|---|---|---|
| <p>18. Microwave oven acts on the principle of :</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>transferring electrons from lower to higher energy levels in water molecule</li> <li>giving rotational energy to water molecules</li> <li>giving vibrational energy to water molecules</li> <li>giving translational energy to water molecules</li> </ol> | <p>18. માઇક્રોવેવ ઓવન કિસ પ્રક્રિયા પર આધારિત હૈ ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>જલ અણુઓં મેં સ્થિત ઇલેક્ટ્રોનોં કે કમ ઊર્જા સે અધિક ઊર્જા વાળે લેવલ મેં સ્થાનાંતરિત કરને કી પ્રક્રિયા પર ।</li> <li>જલ અણુઓં કો ઘૂર્ણન ઊર્જા પ્રદાન કરને કી પ્રક્રિયા પર ।</li> <li>જલ અણુઓં કો કંપન ઊર્જા પ્રદાન કરને કી પ્રક્રિયા પર ।</li> <li>જલ અણુઓં કો સ્થાનાંતરી ઊર્જા પ્રદાન કરને કી પ્રક્રિયા પર ।</li> </ol> | <p>18. માઇક્રોવેવ ઓવન ક્યા સિદ્ધાંત પર કાર્ય કરે છે ?</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>પાણીના આગુંઓમાં ઓછી થી વધુ ઊર્જા સ્તર તરફ ઈલેક્ટ્રોનનું સ્થાનાંતરણ।</li> <li>પાણીના આગુંઓને ઘૂર્ણન ઊર્જા આપવાનું</li> <li>પાણીના આગુંઓને કંપન ઊર્જા આપવાનું</li> <li>પાણીના આગુંઓને સ્થાનાંતરિત ઊર્જા આપવાનું</li> </ol> |
|---|---|---|

19. A convex lens, of focal length 30 cm, a concave lens of focal length 120 cm, and a plane mirror are arranged as shown. For an object kept at a distance of 60 cm from the convex lens, the final image, formed by the combination, is a real image, at a distance of :



- (1) 60 cm from the convex lens
- (2) 60 cm from the concave lens
- (3) 70 cm from the convex lens
- (4) 70 cm from the concave lens

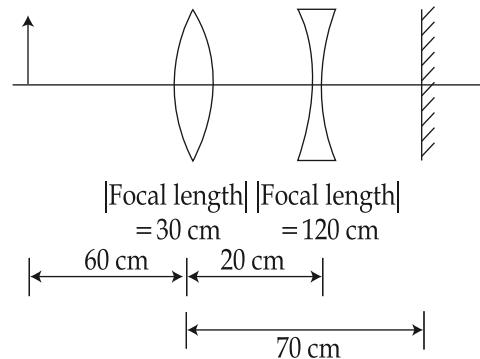
19. एक उत्तल लैंस व अवतल लैंस, जिनकी फोकस दूरी क्रमशः 30 cm एवं 120 cm है, तथा समतल दर्पण निम्न चित्र के अनुसार रखे गये हैं। एक बिम्ब उत्तल लैंस से 60 cm की दूरी पर स्थित है। इस संयोजन द्वारा निर्मित अंतिम प्रतिबिम्ब एक वास्तविक प्रतिबिम्ब है जिसकी स्थिति निम्नलिखित होगी :



- (1) उत्तल लैंस से 60 cm की दूरी पर।
- (2) अवतल लैंस से 60 cm की दूरी पर।
- (3) उत्तल लैंस से 70 cm की दूरी पर।
- (4) अवतल लैंस से 70 cm की दूरी पर।

19. 30 cm केन्द्रलंबाई धरावतो एक बहिर्गोण काच, 120 cm केन्द्रलंबाई धरावतो एक अंतर्गोण काच अने एक साढ़े अरीसो आकृतिभां बताव्या प्रमाणे गोठवेल छे।

बहिर्गोण काचथी 60 cm दूर राखेल वस्तुनुं नीचे दर्शावेल कई स्थितिभां आ गोठववाथी केटला अंतरे वस्तुनुं वास्तविक प्रतिबिंध भजाशे।



- (1) बहिर्गोण काचथी 60 cm
- (2) अंतर्गोण काचथी 60 cm
- (3) बहिर्गोण काचथी 70 cm
- (4) अंतर्गोण काचथी 70 cm

20. In Young's double slit experiment, the distance between slits and the screen is 1.0 m and monochromatic light of 600 nm is being used. A person standing near the slits is looking at the fringe pattern. When the separation between the slits is varied, the interference pattern disappears for a particular distance  $d_0$  between the slits. If

the angular resolution of the eye is  $\frac{1}{60}^\circ$ ,

the value of  $d_0$  is close to :

- (1) 1 mm
- (2) 2 mm
- (3) 4 mm
- (4) 3 mm

20. यंग के द्वि-झिरी प्रयोग में, जिसमें पर्दे एवं झिरी के बीच की दूरी 1.0 m तथा 600 nm तरंगदैर्घ्य के एकवर्णीय प्रकाश का उपयोग किया गया है। झिरियों के समीप खड़ा हुआ एक व्यक्ति व्यतिकरण पैटर्न को देख रहा है। दोनों झिरियों के बीच की दूरी को परिवर्तित करने पर एक विशेष दूरी  $d_0$  पर व्यतिकरण पैटर्न लुप्त हो जाता है। यदि व्यक्ति की आँख का कोणीय वियोजन

$\frac{1}{60}^\circ$  हो, तो  $d_0$  का मान लगभग होगा :

- (1) 1 mm
- (2) 2 mm
- (3) 4 mm
- (4) 3 mm

20. યંત્રના ડબલ સિલટના પ્રયોગ, સિલટ અને પડ્ફા વચ્ચેનું અંતર 1.0 m છે તથા 600 nm એક રંગીય પ્રકાશ ઉપયોગમાં લેવામાં આવેલ છે. સિલટની નજીક ઉલેલ એક વ્યક્તિ શલાકાભાત તરફ જોવે છે. જ્યારે સિલટ વચ્ચેનું અંતર બદલવામાં આવે છે ત્યારે બે સિલટ વચ્ચેના વિરોધ અંતર  $d_0$  માટે વ્યતિકરણ ભાત લુભ થાય છે. જો આંખનું

કોણીય વિભેદન  $\frac{1}{60}^\circ$  છે, તો  $d_0$  નું મુલ્ય \_\_\_\_\_

ની નજીકનું થશે.

- (1) 1 mm
- (2) 2 mm
- (3) 4 mm
- (4) 3 mm

21. When photons of wavelength  $\lambda_1$  are incident on an isolated sphere, the corresponding stopping potential is found to be V. When photons of wavelength  $\lambda_2$  are used, the corresponding stopping potential was thrice that of the above value. If light of wavelength  $\lambda_3$  is used then find the stopping potential for this case :

$$(1) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} - \frac{1}{\lambda_2} - \frac{1}{\lambda_1} \right]$$

$$(2) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} + \frac{1}{\lambda_2} - \frac{1}{\lambda_1} \right]$$

$$(3) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} + \frac{1}{2\lambda_2} - \frac{3}{2\lambda_1} \right]$$

$$(4) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} + \frac{1}{2\lambda_2} - \frac{1}{\lambda_1} \right]$$

21. जब  $\lambda_1$  तरंगदैर्घ्य के फोटान एक विलगित गोले को प्रदीप्त करते हैं, तो संगत 'निरोधी-विभव' का मान V पाया जाता है। जब  $\lambda_2$  तरंगदैर्घ्य के फोटान उपयोग में लाये जाते हैं तो निरोधी-विभव का मान तिगुना (3V) हो जाता है। अगर  $\lambda_3$  तरंगदैर्घ्य के फोटान से गोले को प्रदीप्त किया जाए तो निरोधी-विभव का मान होगा :

$$(1) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} - \frac{1}{\lambda_2} - \frac{1}{\lambda_1} \right]$$

$$(2) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} + \frac{1}{\lambda_2} - \frac{1}{\lambda_1} \right]$$

$$(3) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} + \frac{1}{2\lambda_2} - \frac{3}{2\lambda_1} \right]$$

$$(4) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} + \frac{1}{2\lambda_2} - \frac{1}{\lambda_1} \right]$$

21. જ્યારે  $\lambda_1$  તરંગલંબાઈના ફોટોન્સને એક અલગ કરેલ ગોળા પર આપાત કરવામાં આવે છે ત્યારે અનુદ્ધૃત નિરોધી-વિભવ (સ્ટોપિંગ પોટેન્શિયલ) V જેટલો થાય છે. જ્યારે  $\lambda_2$  તરંગલંબાઈના ફોટોન્સનો ઉપયોગ કરવામાં આવે છે ત્યારે તેને અનુદ્ધૃત નિરોધી-વિભવ પહેલા કરતાં ત્રણ ગણો થાય છે. જ્યારે  $\lambda_3$  તરંગલંબાઈનો પ્રકાશ વાપરવામાં આવે છે ત્યારે નિરોધી-વિભવનું મુલ્ય થશે :

$$(1) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} - \frac{1}{\lambda_2} - \frac{1}{\lambda_1} \right]$$

$$(2) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} + \frac{1}{\lambda_2} - \frac{1}{\lambda_1} \right]$$

$$(3) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} + \frac{1}{2\lambda_2} - \frac{3}{2\lambda_1} \right]$$

$$(4) \quad \frac{hc}{e} \left[ \frac{1}{\lambda_3} + \frac{1}{2\lambda_2} - \frac{1}{\lambda_1} \right]$$

22. A hydrogen atom makes a transition from  $n=2$  to  $n=1$  and emits a photon. This photon strikes a doubly ionized lithium atom ( $z=3$ ) in excited state and completely removes the orbiting electron. The least quantum number for the excited state of the ion for the process is :

- (1) 2
- (2) 3
- (3) 4
- (4) 5

23. The truth table given in fig. represents :

A	B	Y
0	0	0
0	1	1
1	0	1
1	1	1

- (1) AND - Gate
- (2) OR - Gate
- (3) NAND - Gate
- (4) NOR - Gate

22. एक हाइड्रोजन परमाणु  $n=2$  क्वांटम संख्या वाले ऊर्जा लेवल से  $n=1$  क्वांटम संख्या वाले ऊर्जा लेवल में संक्रमण करने पर एक फोटान उत्सर्जित करता है। यह फोटान एक द्वि-आयनित लिथियम परमाणु ( $z=3$ ) (जो कि उत्तेजित अवस्था में है) से टकराता है और कक्षीय इलेक्ट्रॉन (orbiting electron) को पूरी तरह से बाहर निकाल देता है। इस प्रक्रिया के लिए आयन की उत्तेजित अवस्था की न्यूनतम क्वांटम संख्या होगी :

- (1) 2
- (2) 3
- (3) 4
- (4) 5

23. चित्र में दिखाई गई सत्यमान-सारणी निम्नलिखित में से किस गेट को दर्शाती है ?

A	B	Y
0	0	0
0	1	1
1	0	1
1	1	1

- (1) AND गेट
- (2) OR गेट
- (3) NAND गेट
- (4) NOR गेट

22. एक हाईड्रोजन परमाणु  $n=2$  थी  $n=1$  ऊर्जा स्तरमां संक्रमण करे छे अने एक फोटोन उत्सर्जित करे छे. आ फोटोन द्वि-आयनित लिथियम परमाणु ( $z=3$ ) ने तेनी उत्तेजित अवस्थामां अथडाय छे अने कक्षीय इलेक्ट्रॉनने संपूर्ण बहार निकाले छे. आ प्रक्रिया माटे आयननी उत्तेजित अवस्थानी न्यूनतम क्वांटम नंबर थशे :

- (1) 2
- (2) 3
- (3) 4
- (4) 5

23. આકૃતિમાં આપેલ ટુથ ટેબલ નીચે આપેલ કયુ ગેટ બતાવે છે ?

A	B	Y
0	0	0
0	1	1
1	0	1
1	1	1

- (1) AND - Gate
- (2) OR - Gate
- (3) NAND - Gate
- (4) NOR - Gate

24. An audio signal consists of two distinct sounds : one a human speech signal in the frequency band of 200 Hz to 2700 Hz, while the other is a high frequency music signal in the frequency band of 10200 Hz to 15200 Hz. The ratio of the AM signal bandwidth required to send both the signals together to the AM signal bandwidth required to send just the human speech is :

- (1) 3
- (2) 5
- (3) 6
- (4) 2

25. A simple pendulum made of a bob of mass  $m$  and a metallic wire of negligible mass has time period 2 s at  $T=0^\circ\text{C}$ . If the temperature of the wire is increased and the corresponding change in its time period is plotted against its temperature, the resulting graph is a line of slope  $S$ . If the coefficient of linear expansion of metal is  $\alpha$  then the value of  $S$  is :

- (1)  $\alpha$
- (2)  $\frac{\alpha}{2}$
- (3)  $2\alpha$
- (4)  $\frac{1}{\alpha}$

24. एक ध्वनि-सिग्नल दो स्पष्ट ध्वनियों से निर्मित है। इनमें से एक मनुष्य द्वारा भाषित सिग्नल है जो 200 Hz से 2700 Hz की आवृत्ति अंतराल का है, तथा दूसरा सिग्नल 10200 Hz से 15200 Hz उच्च आवृत्ति वाले संगीत का है। दोनों सिग्नलों के संचरण के लिए आवश्यक AM सिग्नल की बैंड-चौड़ाई और केवल मनुष्य द्वारा भाषित सिग्नल के संचरण के लिए आवश्यक AM सिग्नल की बैंड-चौड़ाई का अनुपात क्या होगा ?

- (1) 3
- (2) 5
- (3) 6
- (4) 2

25.  $T=0^\circ\text{C}$  पर एक सरल-लोलक, जो कि  $m$  द्रव्यमान के गोलक और द्रव्यमान रहित धातु के तार से निर्मित है, का आवर्त-काल 2 s है। अगर तार के तापमान को बढ़ाने से, आवर्त-काल में हुई वृद्धि को ग्राफ द्वारा दर्शाया जाये, तो परिणामी ग्राफ की ढाल-माप (slope)  $S$  है। यदि तार का रैखिक-प्रसार गुणांक  $\alpha$  है तो  $S$  का मान होगा :

- (1)  $\alpha$
- (2)  $\frac{\alpha}{2}$
- (3)  $2\alpha$
- (4)  $\frac{1}{\alpha}$

24. એક ધ્વનિ સિઝલ બે જુદા જુદા અવલો ધરાવે છે. એક માનવ-ભાષિત સિઝલ છે જે 200 Hz થી 2700 Hz આવૃત્તિ અંતરાલમાં છે. જ્યારે બીજુ એ ઉચ્ચ આવૃત્તિ સંગીતનું સિઝલ છે જે 10200 Hz થી 15200 Hz આવૃત્તિ અંતરાલમાં છે. બન્ને સિઝલોને સાથે સંચરણ માટે જરૂરી AM સિઝલની બેંડ વિદ્ધ તથા ફીલ્ડ માનવ-ભાષિત સિઝલ સંચરણ માટે જરૂરી AM સિઝલ બેંડ વિદ્ધનો ગુણોત્તર છે.

- (1) 3
- (2) 5
- (3) 6
- (4) 2

25.  $m$  દ્વિત્યમાન વાળા ગોળા ધરાવતા તથા દ્વિત્યમાન રહિત ધાતુના તારથી બનેલ એક સાદા લોલકનો  $T=0^\circ\text{C}$  એ આવર્તકાળ 2 s છે. જો તારના તાપમાનમાં વધારો કરતા, આવર્તકાળમાં થતા ફેરફારને આલેખ દ્વારા દર્શાવાય, તો પરિણામી આલેખ એ એક રેખા છે જેનો ઢાળ  $S$  છે. જો ધાતુનો રેખીય-પ્રસરણાંક  $\alpha$  હોય, તો  $S$  નું મુલ્ય છે :

- (1)  $\alpha$
- (2)  $\frac{\alpha}{2}$
- (3)  $2\alpha$
- (4)  $\frac{1}{\alpha}$

26. A uniformly tapering conical wire is made from a material of Young's modulus  $Y$  and has a normal, unextended length  $L$ . The radii, at the upper and lower ends of this conical wire, have values  $R$  and  $3R$ , respectively. The upper end of the wire is fixed to a rigid support and a mass  $M$  is suspended from its lower end. The equilibrium extended length, of this wire, would equal :

(1)  $L \left( 1 + \frac{2}{9} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

(2)  $L \left( 1 + \frac{1}{3} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

(3)  $L \left( 1 + \frac{1}{9} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

(4)  $L \left( 1 + \frac{2}{3} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

27. To know the resistance  $G$  of a galvanometer by half deflection method, a battery of emf  $V_E$  and resistance  $R$  is used to deflect the galvanometer by angle  $\theta$ . If a shunt of resistance  $S$  is needed to get half deflection then  $G$ ,  $R$  and  $S$  are related by the equation :

(1)  $2S(R+G)=RG$

(2)  $S(R+G)=RG$

(3)  $2S=G$

(4)  $2G=S$

26. अविस्तारित  $L$  लम्बाई की एकसमान शंकुनुमा तार के सिरों की त्रिज्या क्रमशः  $R$  तथा  $3R$  हैं। उसकी धातु का यंग-माडुलस  $Y$  है।  $R$  त्रिज्या वाले सिरे को एक दृढ़ आधार पर जड़ित किया गया है तथा दूसरे सिरे पर  $M$  द्रव्यमान लटकाया गया है। संतुलन-अवस्था में तार की लम्बाई होगी :

(1)  $L \left( 1 + \frac{2}{9} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

(2)  $L \left( 1 + \frac{1}{3} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

(3)  $L \left( 1 + \frac{1}{9} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

(4)  $L \left( 1 + \frac{2}{3} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

27. एक गैल्वेनोमीटर का प्रतिरोध  $G$  मापने के लिये अर्द्ध-विक्षेप तरीके का इस्तेमाल किया गया जिसमें बैटरी की emf  $V_E$  है। प्रतिरोध  $R$  के लिये  $\theta$  विक्षेप मिला। शंट-प्रतिरोध  $S$  के लिये आधा विक्षेप मिला। तब  $G$ ,  $R$  तथा  $S$  किस समीकरण से संबंधित हैं?

(1)  $2S(R+G)=RG$

(2)  $S(R+G)=RG$

(3)  $2S=G$

(4)  $2G=S$

26. એક યુનિફોર્મ શંકુ આકારનો તાર  $Y$  યંગ મોડ્યુલસ વાળા દ્વયમાંથી બનાવેલ છે જેણી તણાવમુક્ત લંબાઈ  $L$  છે. આ શંકુ આકારના તારના ઉપરના છેડાની ત્રિજ્યા  $R$  અને નીચેના છેડાની ત્રિજ્યા  $3R$  છે ઉપરનો છેડો દઢ આધાર સાથે જોડેલ છે અને નીચેના છેડો  $M$  દળ જોડેલ છે. સંતુલિત અવસ્થામાં આ તારની તણાવ લંબાઈ થશે :

(1)  $L \left( 1 + \frac{2}{9} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

(2)  $L \left( 1 + \frac{1}{3} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

(3)  $L \left( 1 + \frac{1}{9} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

(4)  $L \left( 1 + \frac{2}{3} \frac{Mg}{\pi Y R^2} \right)$

27. અર્ધઆવર્તનની રીતે ગોલ્વેનોમીટરનો અવરોધ  $G$  જાણવા,  $V_E$  ધરાવતી બેટરી અને અવરોધ  $R$ . એ ગોલ્વેનોમીટરમાં  $\theta$  ખૂણાનું આવર્તન મેળવવા વપરાય છે. જો  $S$  અવરોધનો શંટ એ અર્ધ આવર્તન માટે જરૂરી હોય, તો  $G$ ,  $R$  અને  $S$  એ વર્ચેનો સંબંધ છે :

(1)  $2S(R+G)=RG$

(2)  $S(R+G)=RG$

(3)  $2S=G$

(4)  $2G=S$

28. To find the focal length of a convex mirror, a student records the following data :

Object Pin	Convex Lens	Convex Mirror	Image Pin
22.2 cm	32.2 cm	45.8 cm	71.2 cm

The focal length of the convex lens is  $f_1$  and that of mirror is  $f_2$ . Then taking index correction to be negligibly small,  $f_1$  and  $f_2$  are close to :

- (1)  $f_1 = 12.7 \text{ cm}$        $f_2 = 7.8 \text{ cm}$
- (2)  $f_1 = 7.8 \text{ cm}$        $f_2 = 12.7 \text{ cm}$
- (3)  $f_1 = 7.8 \text{ cm}$        $f_2 = 25.4 \text{ cm}$
- (4)  $f_1 = 15.6 \text{ cm}$        $f_2 = 25.4 \text{ cm}$

29. An experiment is performed to determine the  $I$  -  $V$  characteristics of a Zener diode, which has a protective resistance of  $R = 100 \Omega$ , and a maximum power of dissipation rating of 1 W. The minimum voltage range of the DC source in the circuit is :

- (1) 0 - 5 V
- (2) 0 - 8 V
- (3) 0 - 12 V
- (4) 0 - 24 V

28. उत्तल-दर्पण की फोकस दूरी निकालने के एक प्रयोग में निम्न डाटा प्राप्त हुआ

बिंब	उत्तल लैंस	उत्तल दर्पण	प्रतिबिंब
22.2 cm	32.2 cm	45.8 cm	71.2 cm

उत्तल लैंस की फोकस दूरी  $f_1$  तथा उत्तल-दर्पण की फोकस दूरी  $f_2$  है। index correction नगण्य है।

तब :

- (1)  $f_1 = 12.7 \text{ cm}$        $f_2 = 7.8 \text{ cm}$
- (2)  $f_1 = 7.8 \text{ cm}$        $f_2 = 12.7 \text{ cm}$
- (3)  $f_1 = 7.8 \text{ cm}$        $f_2 = 25.4 \text{ cm}$
- (4)  $f_1 = 15.6 \text{ cm}$        $f_2 = 25.4 \text{ cm}$

29. एक जीनर डायोड का अभिलक्षणिक  $I$  -  $V$  ग्राफ बनाने के लिये एक प्रयोग किया गया जिसमें  $R = 100 \Omega$  का प्रोटेक्टिव प्रतिरोध और अधिकतम पावर 1 W दी गई। तब परिपथ में लगाये गये DC स्रोत की न्यूनतम वोल्टता है :

- (1) 0 - 5 V
- (2) 0 - 8 V
- (3) 0 - 12 V
- (4) 0 - 24 V

28. બહિરોળ અરીસાની કેન્દ્રલંબાઈ માપવા, એક વિધાર્થી નીચેના અવલોકનો નોંધે છે.

વસ્તુ પીન	બહિરોળ કાચ	બહિરોળ અરીસો	પ્રતિબિંબ પીન
22.2 cm	32.2 cm	45.8 cm	71.2 cm

બહિરોળ કાચની કેન્દ્રલંબાઈ  $f_1$  અને અરીસાની કેન્દ્રલંબાઈ  $f_2$  છે. index correction નગણ્ય લેતા  $f_1$  અને  $f_2$  નું મુલ્યની નજીક હશે :

- (1)  $f_1 = 12.7 \text{ cm}$        $f_2 = 7.8 \text{ cm}$
- (2)  $f_1 = 7.8 \text{ cm}$        $f_2 = 12.7 \text{ cm}$
- (3)  $f_1 = 7.8 \text{ cm}$        $f_2 = 25.4 \text{ cm}$
- (4)  $f_1 = 15.6 \text{ cm}$        $f_2 = 25.4 \text{ cm}$

29. ઝેનરડાયોડની  $I$  -  $V$  લાક્ષણિકતાના અભ્યાસ માટે એક પ્રયોગ કરવામાં આવે છે. જ્યાર: પોટેન્શિયોમીટર કે જેનો જ્યાં અવરોધ  $R = 100 \Omega$  છે અને 1 W મહત્તમ પાવર ડેસીપેશન છે. આ પરિપથમાં લગાવવામાં આવતા DC સ્ત્રોતની ન્યૂનતમ વોಲ્ટેજની અવધિ છે :

- (1) 0 - 5 V
- (2) 0 - 8 V
- (3) 0 - 12 V
- (4) 0 - 24 V

30. An unknown transistor needs to be identified as a *npn* or *pnp* type. A multimeter, with +ve and –ve terminals, is used to measure resistance between different terminals of transistor. If terminal 2 is the base of the transistor then which of the following is correct for a *pnp* transistor ?

- (1) +ve terminal 1, –ve terminal 2, resistance high
- (2) +ve terminal 2, –ve terminal 1, resistance high
- (3) +ve terminal 3, –ve terminal 2, resistance high
- (4) +ve terminal 2, –ve terminal 3, resistance low

31. The amount of arsenic pentasulphide that can be obtained when 35.5 g arsenic acid is treated with excess  $H_2S$  in the presence of conc. HCl ( assuming 100% conversion) is :

- (1) 0.50 mol
- (2) 0.25 mol
- (3) 0.125 mol
- (4) 0.333 mol

30. एक अज्ञात ट्रांजिस्टर को *npn* अथवा *pnp* के प्रकार में पहचान करना है। एक *pnp* ट्रांजिस्टर का टर्मिनल 2 उसका बेस है। एक मल्टीमीटर के +ve व –ve टर्मिनल इस ट्रांजिस्टर के विभिन्न टर्मिनलों 1, 2 या 3 के बीच लगाकर प्रतिरोध मापे गये तब इस ट्रांजिस्टर के लिए कौन-सा निम्न कथन सत्य है?

- (1) +ve से टर्मिनल 1, –ve से टर्मिनल 2, प्रतिरोध ज्यादा।
- (2) +ve से टर्मिनल 2, –ve से टर्मिनल 1, प्रतिरोध ज्यादा।
- (3) +ve से टर्मिनल 3, –ve से टर्मिनल 2, प्रतिरोध ज्यादा।
- (4) +ve से टर्मिनल 2, –ve से टर्मिनल 3, प्रतिरोध कम

31. 35.5 g आरसेनिक अम्ल को, सांद्र HCl की उपस्थिति में  $H_2S$  की अधिक मात्रा से विवेचन करने पर आरसेनिक पेन्टासल्फाइड की प्राप्त होने वाली मात्रा है (यदि 100% परिवर्तन मानें तो):

- (1) 0.50 मोल
- (2) 0.25 मोल
- (3) 0.125 मोल
- (4) 0.333 मोल

30. एक *npn* अथवा *pnp* ट्रांजिस्टरने ओणधवानो छे. आ माटे ट्रांजिस्टरना अलग अलग टर्मिनल्स वच्येनो अवरोध +ve अने –ve मल्टीमीटरथी मापवामां आवे छे. जो टर्मिनल 2 ए ट्रांजिस्टरनो बेझ होय तो *pnp* ट्रांजिस्टर माटे क्युं विधान साचुं छे ?

- (1) +ve terminal 1, –ve terminal 2, अवरोध वधारे
- (2) +ve terminal 2, –ve terminal 1, अवरोध वधारे
- (3) +ve terminal 3, –ve terminal 2, अवरोध वधारे
- (4) +ve terminal 2, –ve terminal 3, अवरोध ओछो

31. 35.5 g आरसेनिक एसिडने, सांद्र HCl नी हाजरीमां वधारे पडता  $H_2S$  साथे प्रक्षिया करतां आरसेनिक पेन्टासल्फाइड केटली मात्रामां प्राप्त थई शक्शे ? (100% परिवर्तन मानी लो)

- (1) 0.50 भोल
- (2) 0.25 भोल
- (3) 0.125 भोल
- (4) 0.333 भोल

32. At very high pressures, the compressibility factor of one mole of a gas is given by :

- (1)  $\frac{pb}{RT}$
- (2)  $1 + \frac{pb}{RT}$
- (3)  $1 - \frac{pb}{RT}$
- (4)  $1 - \frac{b}{(VRT)}$

33. The total number of orbitals associated with the principal quantum number 5 is :

- (1) 5
- (2) 10
- (3) 20
- (4) 25

34. Which intermolecular force is most responsible in allowing xenon gas to liquefy ?

- (1) Dipole - dipole
- (2) Ion - dipole
- (3) Instantaneous dipole - induced dipole
- (4) Ionic

32. अत्यधिक दाब पर एक मोल गैस का संपीड्यता गुणांक होगा :

- (1)  $\frac{pb}{RT}$
- (2)  $1 + \frac{pb}{RT}$
- (3)  $1 - \frac{pb}{RT}$
- (4)  $1 - \frac{b}{(VRT)}$

33. मुख्य क्वांटम अंक 5 से जुड़े हुए कक्षकों (ऑर्बिटलों) की कुल संख्या है :

- (1) 5
- (2) 10
- (3) 20
- (4) 25

34. इनमें से कौनसी अंतरा-आण्विक बल जीनाँ के द्रवीकरण के लिए सबसे अधिक उत्तरदायी है ?

- (1) द्विध्रुव - द्विध्रुव
- (2) आयन - द्विध्रुव
- (3) तात्कालिक द्विध्रुव - प्रेरित द्विध्रुव
- (4) आयनिक

32. ખૂબ જ ઊંચા દબાણો, એક મોલ વાયુનો દબનીય અવયવ (compressibility factor) નીચે આપેલમાંથી જણાયો.

- (1)  $\frac{pb}{RT}$
- (2)  $1 + \frac{pb}{RT}$
- (3)  $1 - \frac{pb}{RT}$
- (4)  $1 - \frac{b}{(VRT)}$

33. મુખ્ય ક્વોન્ટમ આંક 5 સાથે સંકળાયેલ કક્ષકોની કુલ સંખ્યા શોધો.

- (1) 5
- (2) 10
- (3) 20
- (4) 25

34. નીચેનામાંથી કયા આંતરઆજીવીય બળો કે જે જેનોન વાયુના પ્રવાહીકરણ માટે સૌથી વધારે જવાબદાર છે ?

- (1) દ્વિધ્રુવ - દ્વિધ્રુવ
- (2) આયન - દ્વિધ્રુવ
- (3) ત્વરિત દ્વિધ્રુવ - પ્રેરિત દ્વિધ્રુવ (Instantaneous dipole - induced dipole)
- (4) આયનિક

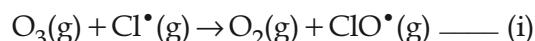
35. A reaction at 1 bar is non-spontaneous at low temperature but becomes spontaneous at high temperature. Identify the correct statement about the reaction among the following :
- Both  $\Delta H$  and  $\Delta S$  are negative.
  - Both  $\Delta H$  and  $\Delta S$  are positive.
  - $\Delta H$  is positive while  $\Delta S$  is negative.
  - $\Delta H$  is negative while  $\Delta S$  is positive.
36. The solubility of  $N_2$  in water at 300 K and 500 torr partial pressure is  $0.01 \text{ g L}^{-1}$ . The solubility (in  $\text{g L}^{-1}$ ) at 750 torr partial pressure is :
- 0.0075
  - 0.015
  - 0.02
  - 0.005
37. For the reaction,  
 $A(g) + B(g) \rightarrow C(g) + D(g)$ ,  $\Delta H^\circ$  and  $\Delta S^\circ$  are, respectively,  $-29.8 \text{ kJ mol}^{-1}$  and  $-0.100 \text{ kJ K}^{-1} \text{ mol}^{-1}$  at 298 K. The equilibrium constant for the reaction at 298 K is :
- $1.0 \times 10^{-10}$
  - $1.0 \times 10^{10}$
  - 10
  - 1

35. एक रासायनिक अभिक्रिया निम्न ताप पर अस्वतः प्रवर्तित है किन्तु उच्च ताप पर स्वतः प्रवर्तित हो जाती है। इस अभिक्रिया के बारे में निम्नलिखित कथनों में से सही कथन को पहचानिये :
- $\Delta H$  तथा  $\Delta S$ , दोनों ऋणात्मक हैं।
  - $\Delta H$  तथा  $\Delta S$ , दोनों धनात्मक हैं।
  - $\Delta H$  धनात्मक तथा  $\Delta S$  ऋणात्मक है।
  - $\Delta H$  ऋणात्मक तथा  $\Delta S$  धनात्मक है।
36.  $N_2$  की जल में विलेयता 300 K तथा 500 torr आंशिक दाब पर  $0.01 \text{ g L}^{-1}$  है। इसकी विलेयता ( $\text{g L}^{-1}$  में) 750 torr आंशिक दाब पर होगी :
- 0.0075
  - 0.015
  - 0.02
  - 0.005
37. रासायनिक अभिक्रिया  
 $A(g) + B(g) \rightarrow C(g) + D(g)$ , के लिए 298 K पर  $\Delta H^\circ$  तथा  $\Delta S^\circ$  के मान क्रमशः  $-29.8 \text{ kJ mol}^{-1}$  तथा  $-0.100 \text{ kJ K}^{-1} \text{ mol}^{-1}$  हैं। इस अभिक्रिया का 298 K पर साम्य स्थिरांक है :
- $1.0 \times 10^{-10}$
  - $1.0 \times 10^{10}$
  - 10
  - 1
35. 1 bar पर एक रासायणिक प्रक्रिया नीचा तापमाने आपमेणे (स्वयंभू) थती नथी परंतु ऊंचा तापमाने आपमेणे (स्वयंभू) थाय छे. प्रक्रिया अंगे नीचे आपेला विधानोभांथी साचुं विधान शोधो.
- $\Delta H$  तथा  $\Delta S$  बने ऋणा छे.
  - $\Delta H$  तथा  $\Delta S$  बने धन छे.
  - $\Delta H$  धन छे ज्यारे  $\Delta S$  ऋणा छे.
  - $\Delta H$  ऋणा छे ज्यारे  $\Delta S$  धन छे.
36. 300 K अने 500 torr (टोर) आंशिक दबाणे  $N_2$  नी द्राव्यता  $0.01 \text{ g L}^{-1}$  छे. 750 टोर (torr) आंशिक दबाणे पर द्राव्यता ( $\text{g L}^{-1}$  मां) शुं हरे ?
- 0.0075
  - 0.015
  - 0.02
  - 0.005
37. प्रक्रिया माटे,  $A(g) + B(g) \rightarrow C(g) + D(g)$  298 K पर,  $\Delta H^\circ$  अने  $\Delta S^\circ$  अनुक्ष्मे,  $-29.8 \text{ kJ mol}^{-1}$  अने  $-0.100 \text{ kJ K}^{-1} \text{ mol}^{-1}$  छे. 298 K पर प्रक्रिया माटेनो संतुलन अयणांक नीचेनाभांथी शोधो.
- $1.0 \times 10^{-10}$
  - $1.0 \times 10^{10}$
  - 10
  - 1

38. What will occur if a block of copper metal is dropped into a beaker containing a solution of 1M  $\text{ZnSO}_4$  ?

- The copper metal will dissolve and zinc metal will be deposited.
- The copper metal will dissolve with evolution of hydrogen gas.
- The copper metal will dissolve with evolution of oxygen gas.
- No reaction will occur.

39. The reaction of ozone with oxygen atoms in the presence of chlorine atoms can occur by a two step process shown below :



$$k_i = 5.2 \times 10^9 \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$$



$$k_{ii} = 2.6 \times 10^{10} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$$

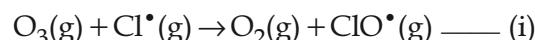
The closest rate constant for the overall reaction  $\text{O}_3(g) + \text{O}^\bullet(g) \rightarrow 2 \text{ O}_2(g)$  is :

- $5.2 \times 10^9 \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$
- $2.6 \times 10^{10} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$
- $3.1 \times 10^{10} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$
- $1.4 \times 10^{20} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$

38. यदि कॉपर के एक ब्लॉक (block) को एक बीकर में डाला जाये जिसमें 1M  $\text{ZnSO}_4$  का विलयन हो तो क्या होगा ?

- कॉपर धातु घुल जायेगी तथा ज़िंक धातु निश्चेपित हो जायेगी।
- हाइड्रोजन गैस के निकलने के साथ-साथ कॉपर धातु घुल जायेगी।
- ऑक्सीजन गैस के निकलने के साथ-साथ कॉपर धातु घुल जायेगी।
- कोई अभिक्रिया नहीं होगी।

39. क्लोरीन परमाणुओं की उपस्थिति में, ओज्जोन की ऑक्सीजन परमाणुओं से अभिक्रिया निम्नलिखित द्विपदीय प्रक्रम द्वारा होती है :



$$k_i = 5.2 \times 10^9 \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$$



$$k_{ii} = 2.6 \times 10^{10} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$$

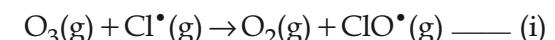
कुल अभिक्रिया  $\text{O}_3(g) + \text{O}^\bullet(g) \rightarrow 2 \text{ O}_2(g)$  का निकटतम वेग नियतांक है :

- $5.2 \times 10^9 \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$
- $2.6 \times 10^{10} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$
- $3.1 \times 10^{10} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$
- $1.4 \times 10^{20} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$

38. જો કોપર ધાતુનો એક બ્લોક (block) એક બીકરમાં પડી જાય કે જે 1M  $\text{ZnSO}_4$  નું દ્રાવણ ધરાવે છે તો શું બનશે ?

- કોપર ધાતુ ઓગળી જશે અને જિંક ધાતુ જમા થશે.
- હાઇડ્રોજન વાયુ નીકળવાની સાથે કોપર ધાતુ ઓગળી જશે.
- ઓક્સિજન વાયુ નીકળવાની સાથે કોપર ધાતુ ઓગળી જશે.
- કોઈ પ્રક્રિયા થશે નહીં.

39. ક્લોરિન પરમાણુઓની હાજરીમાં, ઓજોન સાથેની ઓક્સિજન પરમાણુઓની પ્રક્રિયા, નીચે પ્રમાણે બે તબક્કામાં પ્રક્રમ દર્શાવેલ છે :



$$k_i = 5.2 \times 10^9 \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$$



$$k_{ii} = 2.6 \times 10^{10} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$$

કુલ પ્રક્રિયા  $\text{O}_3(g) + \text{O}^\bullet(g) \rightarrow 2 \text{ O}_2(g)$  નો સૌથી નજ્ઞકનો વેગ અચળાંક શોધો.

- $5.2 \times 10^9 \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$
- $2.6 \times 10^{10} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$
- $3.1 \times 10^{10} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$
- $1.4 \times 10^{20} \text{ L mol}^{-1} \text{ s}^{-1}$

40. A particular adsorption process has the following characteristics : (i) It arises due to van der Waals forces and (ii) it is reversible. Identify the correct statement that describes the above adsorption process :

- (1) Enthalpy of adsorption is greater than  $100 \text{ kJ mol}^{-1}$ .
- (2) Energy of activation is low.
- (3) Adsorption is monolayer.
- (4) Adsorption increases with increase in temperature.

41. The non-metal that does **not** exhibit positive oxidation state is :

- (1) Oxygen
- (2) Iodine
- (3) Chlorine
- (4) Fluorine

40. एक विशेष अधिशोषण प्रक्रिया के विशेष गुणधर्म हैं : (i) यह वांडर वाल्स बल के कारण होती है तथा (ii) यह उत्क्रमणीय है। निम्नलिखित में से वह सही कथन पहचानिये जो इस अधिशोषण प्रक्रिया का सही वर्णन करता है :

- (1) अधिशोषण की एन्थैल्पी  $100 \text{ kJ mol}^{-1}$  से अधिक है।
- (2) सक्रियण ऊर्जा निम्न है।
- (3) अधिशोषण एकल अणुक परतीय है।
- (4) ताप बढ़ने पर अधिशोषण बढ़ता है।

41. वह अधातु जो धनात्मक ऑक्सीकरण अवस्था नहीं दर्शाती, होगी :

- (1) ऑक्सीजन
- (2) आयोडीन
- (3) क्लोरीन
- (4) फ्लुओरीन

40. એક વિશેષ અધિશોષણ પ્રક્રમને નીચેની લાક્ષણિકતાઓ છે : (i) તે વાન્ડરવાલ બળોને કારણે ઉદ્ભવે છે. અને (ii) તે પ્રતિવર્તીય છે.

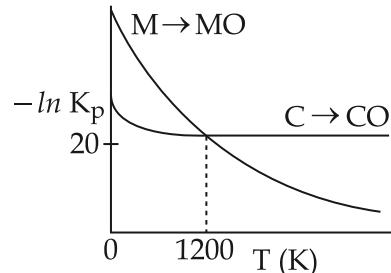
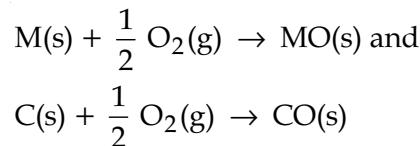
ઉપર વર્ણવેલ અધિશોષણ પ્રક્રમ માટે સાચું વિધાન શોધો.

- (1) અધિશોષણની એન્થાલ્પી  $100 \text{ kJ mol}^{-1}$  થી વધારે હોય છે.
- (2) સક્રિયકરણ ઊર્જા (શક્તિ) નીચી છે.
- (3) અધિશોષણ એ એક સ્તરીય છે.
- (4) તાપમાન વધવાની સાથે અધિશોષણ વધે છે.

41. એક અધાતુ જે ધન (positive) ઓક્સિડેશન અવસ્થા દર્શાવતી નથી તે શોધો.

- (1) ઓક્સિજન
- (2) આયોડિન
- (3) ક્લોરિન
- (4) ફ્લોરિન

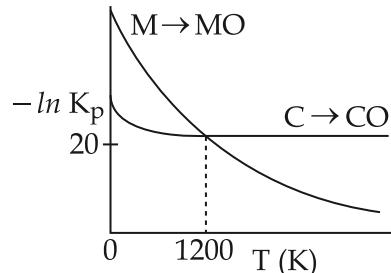
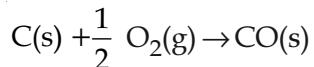
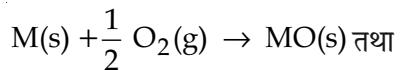
42. The plot shows the variation of  $-\ln K_p$  versus temperature for the two reactions.



Identify the correct statement :

- (1) At  $T > 1200$  K, carbon will reduce  $\text{MO(s)}$  to  $\text{M(s)}$ .
- (2) At  $T < 1200$  K, the reaction  $\text{MO(s)} + \text{C(s)} \rightarrow \text{M(s)} + \text{CO(g)}$  is spontaneous.
- (3) At  $T < 1200$  K, oxidation of carbon is unfavourable.
- (4) Oxidation of carbon is favourable at all temperatures.

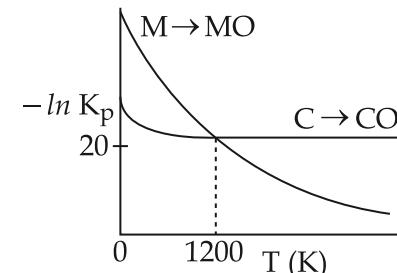
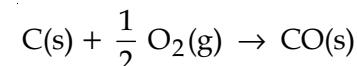
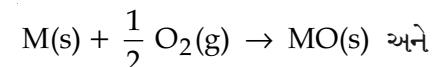
42. साथ दिये हुये आलेख में निम्नलिखित दो अभिक्रियाओं के लिये  $-\ln K_p$  का ताप के साथ परिवर्तन दर्शाया गया है।



निम्नलिखित कथनों में से सही कथन पहचानिये :

- (1)  $T > 1200$  K, पर कार्बन  $\text{MO(s)}$  को अपचयित करके  $\text{M(s)}$  देगा।
- (2)  $T < 1200$  K, पर अभिक्रिया,  $\text{MO(s)} + \text{C(s)} \rightarrow \text{M(s)} + \text{CO(g)}$  स्वतः प्रवर्तित है।
- (3)  $T < 1200$  K पर कार्बन का उपचयन प्रतिकूल है।
- (4) कार्बन का उपचयन सभी ताप पर अनुकूल है।

42. આલેખમાં નીચે આપેલ બે પ્રક્રિયાઓ માટે  $-\ln K_p$  વિરુદ્ધ તાપમાનની ભિન્નતા દર્શાવેલ છે.



સાચું વિધાન શોધો.

- (1)  $T > 1200$  K पર કાર્બન,  $\text{MO(s)}$  માંથી  $\text{M(s)}$  માં રિડક્ષન કરો.
- (2)  $T < 1200$  K પર, પ્રક્રિયા  $\text{MO(s)} + \text{C(s)} \rightarrow \text{M(s)} + \text{CO(g)}$  સ્વયંબૂ છે.
- (3)  $T < 1200$  K પર, કાર્બનનું ઓક્સિડેશન પ્રતિકૂળ (unfavourable) છે.
- (4) બધા જ તાપમાન પર કાર્બનનું ઓક્સિડેશન અનુકૂળ (favourable) છે.

43. Identify the **incorrect** statement regarding heavy water :
- It reacts with  $\text{Al}_4\text{C}_3$  to produce  $\text{CD}_4$  and  $\text{Al}(\text{OD})_3$ .
  - It is used as a coolant in nuclear reactors.
  - It reacts with  $\text{CaC}_2$  to produce  $\text{C}_2\text{D}_2$  and  $\text{Ca}(\text{OD})_2$ .
  - It reacts with  $\text{SO}_3$  to form deuterated sulphuric acid ( $\text{D}_2\text{SO}_4$ ).
44. The correct order of the solubility of alkaline-earth metal sulphates in water is :
- $\text{Mg} < \text{Ca} < \text{Sr} < \text{Ba}$
  - $\text{Mg} < \text{Sr} < \text{Ca} < \text{Ba}$
  - $\text{Mg} > \text{Sr} > \text{Ca} > \text{Ba}$
  - $\text{Mg} > \text{Ca} > \text{Sr} > \text{Ba}$
45. Match the items in **Column I** with its main use listed in **Column II** :

Column I	Column II
(A) Silica gel	(i) Transistor
(B) Silicon	(ii) Ion-exchanger
(C) Silicone	(iii) Drying agent
(D) Silicate	(iv) Sealant

- (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)
- (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
- (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)
- (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)

43. भारी पानी के बारे में दिये गये कथनों में से असत्य कथन पहचानिये :
- यह  $\text{Al}_4\text{C}_3$  से अभिक्रिया करके  $\text{CD}_4$  तथा  $\text{Al}(\text{OD})_3$  बनाता है।
  - इसका उपयोग नाभिकीय रिएक्टर में शीतलक के रूप में किया जाता है।
  - यह  $\text{CaC}_2$  से अभिक्रिया करके  $\text{C}_2\text{D}_2$  तथा  $\text{Ca}(\text{OD})_2$  बनाता है।
  - यह  $\text{SO}_3$  से अभिक्रिया करके ड्यूटरित सल्फूरिक अम्ल ( $\text{D}_2\text{SO}_4$ ) बनाता है।
44. क्षारीय मृदा धातु सल्फेटों की जल में विलेयता का सही क्रम है :
- $\text{Mg} < \text{Ca} < \text{Sr} < \text{Ba}$
  - $\text{Mg} < \text{Sr} < \text{Ca} < \text{Ba}$
  - $\text{Mg} > \text{Sr} > \text{Ca} > \text{Ba}$
  - $\text{Mg} > \text{Ca} > \text{Sr} > \text{Ba}$
45. कॉलम I में दिये गये पदार्थों (items) को कॉलम II में दिये गये उपयोगों से सुमेलित कीजिये :
- | कॉलम I         | कॉलम II             |
|----------------|---------------------|
| (A) सिलिका जैल | (i) ट्रांसिस्टर     |
| (B) सिलिकन     | (ii) आयन विनिमयक    |
| (C) सिलिकोन    | (iii) शुष्कन कर्मक  |
| (D) सिलिकेट    | (iv) सीलक (sealant) |
- (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)
  - (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
  - (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)
  - (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)

43. ભારે પાણી સંબંધિત અસત્ય વિધાન શોધો.
- તે  $\text{Al}_4\text{C}_3$  સાથે પ્રક્રિયા કરી,  $\text{CD}_4$  અને  $\text{Al}(\text{OD})_3$  બનાવે છે.
  - કેન્દ્રીય રીએક્ટરોમાં તેનો શીતલક (coolant) તર્ફે ઉપયોગ થાય છે.
  - તે  $\text{CaC}_2$  સાથે પ્રક્રિયા કરી,  $\text{C}_2\text{D}_2$  અને  $\text{Ca}(\text{OD})_2$  બનાવે છે.
  - તે  $\text{SO}_3$  સાથે પ્રક્રિયા કરીને, ડચુટે રિટ્ (deuterated) સલ્ફ્યુરિક એસિડ ( $\text{D}_2\text{SO}_4$ ) બનાવે છે.
44. આલ્કાલાઈન-અર્થ ધાતુ સલ્ફેટોની પાણીમાંની દ્રાવ્યતાનો સાથો કમ શોધો.
- $\text{Mg} < \text{Ca} < \text{Sr} < \text{Ba}$
  - $\text{Mg} < \text{Sr} < \text{Ca} < \text{Ba}$
  - $\text{Mg} > \text{Sr} > \text{Ca} > \text{Ba}$
  - $\text{Mg} > \text{Ca} > \text{Sr} > \text{Ba}$
45. કોલમ - I માં આપેલી આઈટમો (items) ને તેના કોલમ - II માં નોંધેલ મુખ્ય ઉપયોગો સાથે જોડો.
- | કોલમ - I       | કોલમ - II             |
|----------------|-----------------------|
| (A) સિલિકા જૈલ | (i) ટ્રાન્ઝિસ્ટર      |
| (B) સિલિકન     | (ii) આયન-વિનિમયક      |
| (C) સિલિકોન    | (iii) શુષ્કન કર્મક    |
| (D) સિલિકેટ    | (iv) સીલન્ટ (sealant) |
- (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(ii)
  - (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
  - (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)
  - (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)

46. The group of molecules having identical shape is :
- $\text{SF}_4$ ,  $\text{XeF}_4$ ,  $\text{CCl}_4$
  - $\text{ClF}_3$ ,  $\text{XeOF}_2$ ,  $\text{XeF}_3^+$
  - $\text{BF}_3$ ,  $\text{PCl}_3$ ,  $\text{XeO}_3$
  - $\text{PCl}_5$ ,  $\text{IF}_5$ ,  $\text{XeO}_2\text{F}_2$
47. Which one of the following species is stable in aqueous solution ?
- $\text{Cr}^{2+}$
  - $\text{Cu}^+$
  - $\text{MnO}_4^{3-}$
  - $\text{MnO}_4^{2-}$
48. Which one of the following complexes will consume more equivalents of aqueous solution of  $\text{Ag}(\text{NO}_3)$  ?
- $\text{Na}_3[\text{CrCl}_6]$
  - $[\text{Cr}(\text{H}_2\text{O})_5\text{Cl}]\text{Cl}_2$
  - $[\text{Cr}(\text{H}_2\text{O})_6]\text{Cl}_3$
  - $\text{Na}_2[\text{CrCl}_5(\text{H}_2\text{O})]$

46. कौन सा समूह समरूप अणुओं का समूह है :
- $\text{SF}_4$ ,  $\text{XeF}_4$ ,  $\text{CCl}_4$
  - $\text{ClF}_3$ ,  $\text{XeOF}_2$ ,  $\text{XeF}_3^+$
  - $\text{BF}_3$ ,  $\text{PCl}_3$ ,  $\text{XeO}_3$
  - $\text{PCl}_5$ ,  $\text{IF}_5$ ,  $\text{XeO}_2\text{F}_2$
47. निम्नलिखित में से जलीय विलयन में स्थायी स्पीशीज कौन सी है ?
- $\text{Cr}^{2+}$
  - $\text{Cu}^+$
  - $\text{MnO}_4^{3-}$
  - $\text{MnO}_4^{2-}$
48. निम्नलिखित संकुलों में से कौन सा संकुल  $\text{Ag}(\text{NO}_3)_x$  के जलीय विलयन के अधिक समतुल्य खपायेगा ?
- $\text{Na}_3[\text{CrCl}_6]$
  - $[\text{Cr}(\text{H}_2\text{O})_5\text{Cl}]\text{Cl}_2$
  - $[\text{Cr}(\text{H}_2\text{O})_6]\text{Cl}_3$
  - $\text{Na}_2[\text{CrCl}_5(\text{H}_2\text{O})]$
46. ક્યા આગુંઓનો સમૂહ સર્વસમ અથવા અભિન્ન આકાર (Identical shape) ધરાવે છે ?
- $\text{SF}_4$ ,  $\text{XeF}_4$ ,  $\text{CCl}_4$
  - $\text{ClF}_3$ ,  $\text{XeOF}_2$ ,  $\text{XeF}_3^+$
  - $\text{BF}_3$ ,  $\text{PCl}_3$ ,  $\text{XeO}_3$
  - $\text{PCl}_5$ ,  $\text{IF}_5$ ,  $\text{XeO}_2\text{F}_2$
47. નીચે આપેલા સ્પિસિજો (જાતિઓ) માંથી કઈ એક જલીય દ્રાવણમાં સ્થાપ્તી છે ?
- $\text{Cr}^{2+}$
  - $\text{Cu}^+$
  - $\text{MnO}_4^{3-}$
  - $\text{MnO}_4^{2-}$
48. નીચે આપેલા સંક્રિયોમાંથી કયું એક  $\text{Ag}(\text{NO}_3)_x$  ના જલીય દ્રાવણની અધિક તુલ્યતાનો ઉપયોગ કરશે ?
- $\text{Na}_3[\text{CrCl}_6]$
  - $[\text{Cr}(\text{H}_2\text{O})_5\text{Cl}]\text{Cl}_2$
  - $[\text{Cr}(\text{H}_2\text{O})_6]\text{Cl}_3$
  - $\text{Na}_2[\text{CrCl}_5(\text{H}_2\text{O})]$

49. Identify the correct trend given below :  
(Atomic No. = Ti : 22, Cr : 24 and Mo : 42)
- (1)  $\Delta_o$  of  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$  >  $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  and  
 $\Delta_o$  of  $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  >  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
  - (2)  $\Delta_o$  of  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$   
>  $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  and  
 $\Delta_o$  of  $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  <  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
  - (3)  $\Delta_o$  of  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$   
<  $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  and  
 $\Delta_o$  of  $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  >  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
  - (4)  $\Delta_o$  of  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$   
<  $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  and  
 $\Delta_o$  of  $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  <  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
50. BOD stands for :
- (1) Biological Oxygen Demand
  - (2) Bacterial Oxidation Demand
  - (3) Biochemical Oxygen Demand
  - (4) Biochemical Oxidation Demand

49. નિમ્નલિખિત મેં સે સહી પ્રવૃત્તિ પહોંચાનીયે :  
(પરમાળુ ક્રમાંક = Ti : 22, Cr : 24 તથા Mo : 42)
- (1)  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$  કા  
 $\Delta_o$  >  $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  તથા  
 $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  કા  $\Delta_o$  >  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
  - (2)  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$  કા  $\Delta_o$  >  
 $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  તથા  $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  કા  
 $\Delta_o$  <  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
  - (3)  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$  કા  
 $\Delta_o$  <  $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  તથા  
 $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  કા  $\Delta_o$  >  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
  - (4)  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$  કા  
 $\Delta_o$  <  $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  તથા  
 $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  કા  $\Delta_o$  <  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
50. બી.ଓ.ડી. (BOD) દર્શાતા હૈ :
- (1) બાયોલોજીકલ ઑક્સિજન ડિમાંડ
  - (2) બૈક્ટીરિયલ ઑક્સિડેશન ડિમાંડ
  - (3) બાયોકેમિકલ ઑક્સિજન ડિમાંડ
  - (4) બાયોકેમિકલ ઑક્સિડેશન ડિમાંડ
49. નીચે આપેલામાંથી સાચી દિશા (trend) શોધો.  
(પરમાળુ ક્રમાંક = Ti : 22, Cr = 24 અને Mo = 42)
- (1)  $\Delta_o$  ને  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$  >  
 $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  અને  
 $\Delta_o$  ને  $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  >  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
  - (2)  $\Delta_o$  ને  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$   
>  $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  અને  
 $\Delta_o$  ને  $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  <  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
  - (3)  $\Delta_o$  ને  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$   
<  $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  અને  
 $\Delta_o$  ને  $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  >  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
  - (4)  $\Delta_o$  ને  $[Cr(H_2O)_6]^{2+}$   
<  $[Mo(H_2O)_6]^{2+}$  અને  
 $\Delta_o$  ને  $[Ti(H_2O)_6]^{3+}$  <  $[Ti(H_2O)_6]^{2+}$
50. BOD દર્શાવે છે.
- (1) બાયોલોજીકલ ઓક્સિજન ડિમાંડ
  - (2) બેક્ટેરિયલ ઓક્સિડેશન ડિમાંડ
  - (3) બાયોકેમિકલ ઓક્સિજન ડિમાંડ
  - (4) બાયોકેમિકલ ઓક્સિડેશન ડિમાંડ

51. An organic compound contains C, H and S. The minimum molecular weight of the compound containing 8% sulphur is :  
(atomic weight of S = 32 amu)
- $200 \text{ g mol}^{-1}$
  - $400 \text{ g mol}^{-1}$
  - $600 \text{ g mol}^{-1}$
  - $300 \text{ g mol}^{-1}$
52. The hydrocarbon with seven carbon atoms containing a neopentyl and a vinyl group is :
- 2, 2-dimethyl-4-pentene
  - Isopropyl-2-butene
  - 4, 4-dimethylpentene
  - 2, 2-dimethyl-3-pentene
53. 5 L of an alkane requires 25 L of oxygen for its complete combustion. If all volumes are measured at constant temperature and pressure, the alkane is :
- Ethane
  - Propane
  - Butane
  - Isobutane

51. एक कार्बनिक यौगिक में C, H तथा S विद्यमान हैं। यदि इस यौगिक में 8% सल्फर हो तो इसका न्यूनतम अणु भार होगा :  
(S का परमाणु भार = 32 amu)
- $200 \text{ g mol}^{-1}$
  - $400 \text{ g mol}^{-1}$
  - $600 \text{ g mol}^{-1}$
  - $300 \text{ g mol}^{-1}$
52. सात कार्बन परमाणुओं वाला एक हाइड्रोकार्बन कौन होगा जिसमें एक निओपेन्टिल समूह तथा एक वाइनिल समूह हो :  
(1) 2, 2-डाइमेथिल-4-पेन्टीन  
(2) आइसोप्रोपिल-2-ब्यूटिन  
(3) 4, 4-डाइमेथिलपेन्टीन  
(4) 2, 2-डाइमेथिल-3-पेन्टीन
53. एक ऐल्केन की 5 L मात्रा के पूर्ण दहन के लिये 25 L ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। यदि सभी आयतन मानक ताप तथा दाब पर मापे गये हों, तो ऐल्केन होगी :  
(1) ऐथेन  
(2) प्रोपेन  
(3) ब्यूटेन  
(4) आइसोब्यूटेन
51. એક કાર્બનિક સંયોજન C, H અને S ધરાવે છે. જો તેમાં 8% સલ્ફર હોય તો સંયોજનનો ન્યૂનતમ (minimum) આણુભારશોધો. (પરમાણીય વજન S નું = 32 amu)
- $200 \text{ g mol}^{-1}$
  - $400 \text{ g mol}^{-1}$
  - $600 \text{ g mol}^{-1}$
  - $300 \text{ g mol}^{-1}$
52. સાત કાર્બન પરમાણુઓવાળા એક હાઇડ્રોકાર્બન ક્યો હશે કે જેમાં એક નિયોપેન્ટાઈલ અને એક વિનાઈલ સમૂહ ધરાવે છે ?
- 2, 2-ડાયમિથાઈલ-4-પેન્ટીન
  - આઈસોપ્રોપાઈલ-2-બ્યૂટીન
  - 4, 4-ડાયમિથાઈલપેન્ટીન
  - 2, 2-ડાયમિથાઈલ-3-પેન્ટીન
53. 5 L એક આલ્કેનના સંપૂર્ણ દહન માટે 25 L ઓક્સિજનની આવશ્યકતા છે. બધા જ કદો (volumes) અચળ તાપમાન અને દબાણ માપવામાં આવેલ હોય તો આલ્કેન ક્યો છે ?
- ઇથેન
  - પ્રોપેન
  - બ્યૂટેન
  - આઈસોબ્યૂટેન

54. The gas evolved on heating  $\text{CH}_3\text{MgBr}$  in methanol is :
- HBr
  - Methane
  - Ethane
  - Propane
55. Bouveault-Blanc reduction reaction involves :
- Reduction of an acyl halide with  $\text{H}_2/\text{Pd}$ .
  - Reduction of an ester with  $\text{Na}/\text{C}_2\text{H}_5\text{OH}$ .
  - Reduction of a carbonyl compound with  $\text{Na}/\text{Hg}$  and  $\text{HCl}$ .
  - Reduction of an anhydride with  $\text{LiAlH}_4$ .
56. The test to distinguish primary, secondary and tertiary amines is :
- Carbylamine reaction
  - $\text{C}_6\text{H}_5\text{SO}_2\text{Cl}$
  - Sandmeyer's reaction
  - Mustard oil test

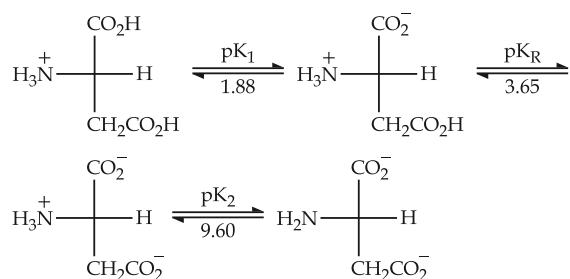
54.  $\text{CH}_3\text{MgBr}$  को मेथैनॉल में गर्म करने पर उत्पन्न होने वाली गैस है :
- HBr
  - मेथैन
  - ऐथेन
  - प्रोपेन
55. बूवो-ब्लांक रिडक्शन प्रक्रिया में होता है :
- ऐसिल हैलाइड का  $\text{H}_2/\text{Pd}$  से अपचयन।
  - ऐस्टर का  $\text{Na}/\text{C}_2\text{H}_5\text{OH}$  से अपचयन।
  - कार्बोनिल यौगिक का  $\text{Na}/\text{Hg}$  तथा  $\text{HCl}$  से अपचयन।
  - एक ऐनहाइड्राइड का  $\text{LiAlH}_4$  से अपचयन।
56. प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक ऐमीनों में अन्तर करने के लिये प्रयुक्त होने वाला परीक्षण है :
- कार्बिलऐमीन अभिक्रिया
  - $\text{C}_6\text{H}_5\text{SO}_2\text{Cl}$
  - सैन्डमायर अभिक्रिया
  - मस्टर्ड ऑयल परीक्षण
54.  $\text{CH}_3\text{MgBr}$  ने भिथेनोलमां गरम करतां उत्पन्न थतो वायु शोधो.
- HBr
  - भिथेन
  - ईथेन
  - प्रोपेन
55. बूवो-ब्लांक (Bouveault-Blanc) रिडक्शन प्रक्रियामां थाय छे :
- ऐसाईल हैलाईडनु  $\text{H}_2/\text{Pd}$  साथे रिडक्शन।
  - ऐस्टरनु  $\text{Na}/\text{C}_2\text{H}_5\text{OH}$  साथे रिडक्शन।
  - कार्बोनिल संयोजननु  $\text{Na}/\text{Hg}$  अने  $\text{HCl}$  साथे रिडक्शन।
  - ऐनहाइड्राइडनु  $\text{LiAlH}_4$  साथे रिडक्शन।
56. प्राथमिक, द्वितीयक अने तृतीयक ऐमाईनने प्रभेदित करती कसोटी नीयेनामांथी शोधो.
- कार्बालऐमाईन प्रक्रिया
  - $\text{C}_6\text{H}_5\text{SO}_2\text{Cl}$
  - सेन्डमेयर प्रक्रिया
  - मस्टर्ड ओर्डल कसोटी

57. Assertion : Rayon is a semisynthetic polymer whose properties are better than natural cotton.

Reason : Mechanical and aesthetic properties of cellulose can be improved by acetylation.

- Both assertion and reason are correct, and the reason is the correct explanation for the assertion.
- Both assertion and reason are correct, but the reason is not the correct explanation for the assertion.
- Assertion is incorrect statement, but the reason is correct.
- Both assertion and reason are incorrect.

58. Consider the following sequence for aspartic acid :



The  $pI$  (isoelectric point) of aspartic acid is :

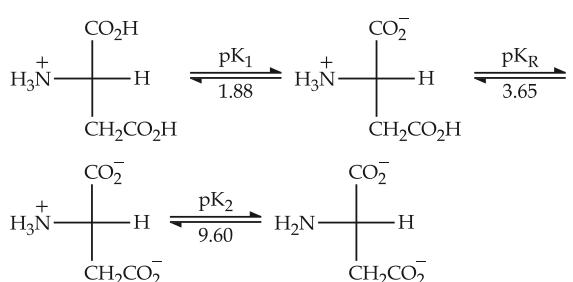
- 1.88
- 3.65
- 5.74
- 2.77

57. कथन : रेयॉन एक अर्द्धसंशिलष्ट बहुलक है जिसके गुणधर्म प्राकृतिक कपास से अधिक अच्छे हैं।

कारण : ऐसीटिलोकरण से सेलुलोस के यांत्रिक व सौंदर्यपरक गुणधर्मों को सुधारा जा सकता है।

- 'कथन' व 'कारण' दोनों सही हैं तथा 'कारण', 'कथन' की सही व्याख्या है।
- 'कथन' व 'कारण' दोनों सही हैं किन्तु 'कारण', 'कथन' की सही व्याख्या नहीं है।
- 'कथन' गलत है किन्तु 'कारण' सही है।
- 'कथन' व 'कारण' दोनों गलत हैं।

58. ऐस्पार्टिक अम्ल के निम्नलिखित अनुक्रम पर विचार कीजिए :



ऐस्पार्टिक अम्ल का  $pI$  (समविभव बिंदु) है :

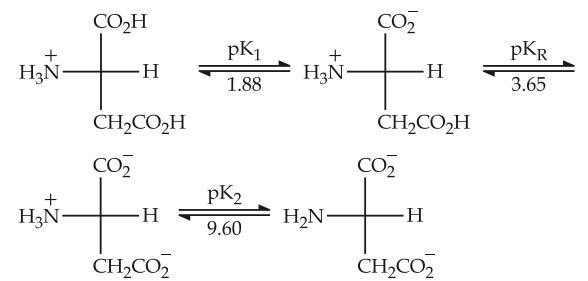
- 1.88
- 3.65
- 5.74
- 2.77

57. कथन : रेयॉन एक अर्द्धसंशिलष्ट बहुलक है. जेना गुणधर्मों कुदरती कपास (cotton) करता वधु सारा छे.

कारण : ऐसिटिलेशन वठे सेल्युलोज्ना यांत्रिक अने सौंदर्य धरावता गुणधर्मोंने वधु सारा शकाय छे.

- कथन अने कारण बंने साचा छे. कारण ए कथन माटेनी साची समजूती छे.
- कथन अने कारण बंने साचा छे, पण कारण ए कथन माटेनी साची समजूती नथी.
- कथन ए असत्य विधान छे पण कारण ए सत्य छे.
- कथन अने कारण बंने असत्य छे.

58. ऐस्पार्टिक एसिड भाटे नीयेनो कम ध्यानमां लो.



ऐस्पार्टिक एसिडनुं  $pI$  (समविभव बिंदु) शोधो.

- 1.88
- 3.65
- 5.74
- 2.77

59. The artificial sweetener that has the highest sweetness value in comparison to cane sugar is :
- Aspartane
  - Saccharin
  - Sucralose
  - Alitame
60. The most appropriate method of making egg-albumin sol is :
- Break an egg carefully and transfer the transparent part of the content to 100 mL of 5% w/V saline solution and stir well.
  - Break an egg carefully and transfer only the yellow part of the content to 100 mL of 5% w/V saline solution and stir well.
  - Keep the egg in boiling water for 10 minutes. After removing the shell, transfer the white part of the content to 100 mL of 5% w/V saline solution and homogenize with a mechanical shaker.
  - Keep the egg in boiling water for 10 minutes. After removing the shell, transfer the yellow part of the content to 100 mL of 5% w/V saline solution and homogenize with a mechanical shaker.

59. वह कृत्रिम मधुरक जिसका इक्षु शर्करा की तुलना में माधुर्यमान सबसे अधिक है :
- ऐसपार्टेन
  - सैकरीन
  - सुक्रालोस
  - ऐलीटम
60. अंडे एल्ब्यूमिन का सॉल बनाने की सबसे उचित विधि है :
- अंडे को ध्यानपूर्वक तोड़ें और उसके पारदर्शी भाग को 100 mL 5% w/V लवण जल में मिला कर अच्छी तरह हिलायें।
  - अंडे को ध्यानपूर्वक तोड़ें और उसके पीले भाग को 100 mL 5% w/V लवण जल में मिला कर अच्छी तरह हिलायें।
  - अंडे को उबलते जल में 10 मिनट तक रखें। उसका छिलका उतारने के पश्चात् उसके सफेद भाग को 100 mL 5% w/V लवण जल में मिलायें और यांत्रिक हल्लित्र में समांगीकृत करें।
  - अंडे को उबलते जल में 10 मिनट तक रखें। उसका छिलका उतारने के पश्चात् उसके पीले भाग को 100 mL 5% w/V लवण जल में मिलायें और यांत्रिक हल्लित्र में समांगीकृत करें।

59. नीचेनामांथी क्या कृत्रिम गज्या पदार्थोंनो गणपण आंक (sweetness value) केन सुगर (cane sugar) नी तुलनामां सौथी वधारे छे.
- ऐसपार्टेन
  - सैकरीन
  - सुक्रालोस
  - ऐलीटम
60. ऐग-आल्बुमीन सोल (egg-albumin sol) बनाववा भाटेनी सौथी सारी बंधबेसती पद्धति नीचेनामांथी शोधो.
- ईडाने साचवीने तोडो अने तेना पारदर्शी भागने 100 mL 5% w/V ना लवणीय (saline) द्रावणमां भेणवीने सारी रीते हलावो.
  - ईडाने साचवीने तोडो अने तेना फ़क्त पीणा भागने 100 mL 5% w/V ना लवणीय (saline) द्रावणमां भेणवीने सारी रीते हलावो.
  - ईडाने उक्जता पाणीमां 10 भिनिट भाटे राखो तेनी छाल दूर कर्या बाद तेनो सङ्केत भाग 100 mL 5% w/V ना लवणीय (saline) द्रावणमां यांत्रिक शेकर (shaker) वडे समांगीकृत (homogenize) करो.
  - ईडाने उक्जता पाणीमां 10 भिनिट भाटे राखो तेनी छाल दूर कर्या बाद तेना पीणो भाग 100 mL 5% w/V ना लवणीय (saline) द्रावणमां यांत्रिक शेकर (shaker) वडे समांगीकृत (homogenize) करो.

61. For  $x \in \mathbf{R}$ ,  $x \neq 0, x \neq 1$ , let  $f_0(x) = \frac{1}{1-x}$  and  $f_{n+1}(x) = f_0(f_n(x))$ ,  $n = 0, 1, 2, \dots$ . Then the value of  $f_{100}(3) + f_1\left(\frac{2}{3}\right) + f_2\left(\frac{3}{2}\right)$  is equal to :

- (1)  $\frac{8}{3}$
- (2)  $\frac{5}{3}$
- (3)  $\frac{4}{3}$
- (4)  $\frac{1}{3}$

62. The point represented by  $2+i$  in the Argand plane moves 1 unit eastwards, then 2 units northwards and finally from there  $2\sqrt{2}$  units in the south-westwards direction. Then its new position in the Argand plane is at the point represented by :

- (1)  $2+2i$
- (2)  $1+i$
- (3)  $-1-i$
- (4)  $-2-2i$

61.  $x \in \mathbf{R}$ ,  $x \neq 0, x \neq 1$  के लिए माना  $f_0(x) = \frac{1}{1-x}$  तथा  $f_{n+1}(x) = f_0(f_n(x))$ ,  $n = 0, 1, 2, \dots$  है, तो  $f_{100}(3) + f_1\left(\frac{2}{3}\right) + f_2\left(\frac{3}{2}\right)$  बराबर है :

- (1)  $\frac{8}{3}$
- (2)  $\frac{5}{3}$
- (3)  $\frac{4}{3}$
- (4)  $\frac{1}{3}$

62. आरगण्ड समतल में  $2+i$  द्वारा निर्दिष्ट बिंदु, 1 इकाई पूर्व दिशा में चलता है और फिर 2 इकाई उत्तर दिशा में चलता है तथा अन्त में  $2\sqrt{2}$  इकाई दक्षिण-पश्चिम दिशा में जाता है। तो आरगण्ड समतल में इसका नया स्थान जिस बिंदु द्वारा निर्दिष्ट होता है, वह है :

- (1)  $2+2i$
- (2)  $1+i$
- (3)  $-1-i$
- (4)  $-2-2i$

61. ધારો કે  $x \in \mathbf{R}$ ,  $x \neq 0, x \neq 1$  માટે  $f_0(x) = \frac{1}{1-x}$  અને  $f_{n+1}(x) = f_0(f_n(x))$ ,  $n = 0, 1, 2, \dots$  તો હવે  $f_{100}(3) + f_1\left(\frac{2}{3}\right) + f_2\left(\frac{3}{2}\right) =$

- (1)  $\frac{8}{3}$
- (2)  $\frac{5}{3}$
- (3)  $\frac{4}{3}$
- (4)  $\frac{1}{3}$

62. આર્ગન્ડ સમતલમાં  $2+i$  થી દર્શાવેલ બિંદુ એક એકમ પૂર્વ તરફ ખસે છે, ત્યારબાદ 2 એકમ ઉત્તર તરફ ખસે છે અને ત્યાંથી છેવટે  $2\sqrt{2}$  એકમ નૈऋત્ય તરફ ખસે છે. આર્ગન્ડ સમતલમાં આ બિંદુનું નવું સ્થાન કઈ સંપ્રાથી દર્શાવવામાં આવે ?

- (1)  $2+2i$
- (2)  $1+i$
- (3)  $-1-i$
- (4)  $-2-2i$

63. If the equations  $x^2 + bx - 1 = 0$  and  $x^2 + x + b = 0$  have a common root different from  $-1$ , then  $|b|$  is equal to :

- (1)  $\sqrt{2}$
- (2) 2
- (3) 3
- (4)  $\sqrt{3}$

64. If  $P = \begin{bmatrix} \frac{\sqrt{3}}{2} & \frac{1}{2} \\ -\frac{1}{2} & \frac{\sqrt{3}}{2} \end{bmatrix}$ ,  $A = \begin{bmatrix} 1 & 1 \\ 0 & 1 \end{bmatrix}$  and  $Q = PAP^T$ , then  $P^T Q^{2015} P$  is :

- (1)  $\begin{bmatrix} 0 & 2015 \\ 0 & 0 \end{bmatrix}$
- (2)  $\begin{bmatrix} 2015 & 1 \\ 0 & 2015 \end{bmatrix}$
- (3)  $\begin{bmatrix} 2015 & 0 \\ 1 & 2015 \end{bmatrix}$
- (4)  $\begin{bmatrix} 1 & 2015 \\ 0 & 1 \end{bmatrix}$

63. यदि समीकरणों  $x^2 + bx - 1 = 0$  तथा  $x^2 + x + b = 0$  का  $-1$  से भिन्न एक सांझा मूल है, तो  $|b|$  बराबर है :

- (1)  $\sqrt{2}$
- (2) 2
- (3) 3
- (4)  $\sqrt{3}$

64. यदि  $P = \begin{bmatrix} \frac{\sqrt{3}}{2} & \frac{1}{2} \\ -\frac{1}{2} & \frac{\sqrt{3}}{2} \end{bmatrix}$ ,  $A = \begin{bmatrix} 1 & 1 \\ 0 & 1 \end{bmatrix}$  तथा

$Q = PAP^T$  है, तो  $P^T Q^{2015} P$  है :

- (1)  $\begin{bmatrix} 0 & 2015 \\ 0 & 0 \end{bmatrix}$
- (2)  $\begin{bmatrix} 2015 & 1 \\ 0 & 2015 \end{bmatrix}$
- (3)  $\begin{bmatrix} 2015 & 0 \\ 1 & 2015 \end{bmatrix}$
- (4)  $\begin{bmatrix} 1 & 2015 \\ 0 & 1 \end{bmatrix}$

63. જો સમીકરણો  $x^2 + bx - 1 = 0$  અને  $x^2 + x + b = 0$  ને  $-1$  સિવાયનું એક સાંજા મૂલ હૈ, તો  $|b|$  બરાબર :

- (1)  $\sqrt{2}$
- (2) 2
- (3) 3
- (4)  $\sqrt{3}$

64. જો  $P = \begin{bmatrix} \frac{\sqrt{3}}{2} & \frac{1}{2} \\ -\frac{1}{2} & \frac{\sqrt{3}}{2} \end{bmatrix}$ ,  $A = \begin{bmatrix} 1 & 1 \\ 0 & 1 \end{bmatrix}$  અને

$Q = PAP^T$  હોય તો  $P^T Q^{2015} P$  બરાબર :

- (1)  $\begin{bmatrix} 0 & 2015 \\ 0 & 0 \end{bmatrix}$
- (2)  $\begin{bmatrix} 2015 & 1 \\ 0 & 2015 \end{bmatrix}$
- (3)  $\begin{bmatrix} 2015 & 0 \\ 1 & 2015 \end{bmatrix}$
- (4)  $\begin{bmatrix} 1 & 2015 \\ 0 & 1 \end{bmatrix}$

65. The number of distinct real roots of the

$$\text{equation, } \begin{vmatrix} \cos x & \sin x & \sin x \\ \sin x & \cos x & \sin x \\ \sin x & \sin x & \cos x \end{vmatrix} = 0 \text{ in the}$$

interval  $\left[-\frac{\pi}{4}, \frac{\pi}{4}\right]$  is :

- (1) 4
- (2) 3
- (3) 2
- (4) 1

66. If the four letter words (need not be meaningful) are to be formed using the letters from the word "MEDITERRANEAN" such that the first letter is R and the fourth letter is E, then the total number of all such words is :

- (1)  $\frac{11!}{(2!)^3}$
- (2) 110
- (3) 56
- (4) 59

65. समीकरण  $\begin{vmatrix} \cos x & \sin x & \sin x \\ \sin x & \cos x & \sin x \\ \sin x & \sin x & \cos x \end{vmatrix} = 0$ , के अंतराल

$\left[-\frac{\pi}{4}, \frac{\pi}{4}\right]$  में भिन्न वास्तविक मूलों की संख्या है :

- (1) 4
- (2) 3
- (3) 2
- (4) 1

66. शब्द "MEDITERRANEAN" के अक्षरों से चार अक्षरों के ऐसे शब्द (चाहे अर्थहीन हों) बनाने हैं जिनका पहला अक्षर R तथा चौथा अक्षर E हो, तो ऐसे सभी शब्दों की कुल संख्या है :

- (1)  $\frac{11!}{(2!)^3}$
- (2) 110
- (3) 56
- (4) 59

65. समीकरण  $\begin{vmatrix} \cos x & \sin x & \sin x \\ \sin x & \cos x & \sin x \\ \sin x & \sin x & \cos x \end{vmatrix} = 0$  ना अंतराल

$\left[-\frac{\pi}{4}, \frac{\pi}{4}\right]$  मां आवेल भिन्न बिजेनी संख्या केटली हो ?

- (1) 4
- (2) 3
- (3) 2
- (4) 1

66. शब्द "MEDITERRANEAN" नां अक्षरोंनो उपयोग करी चार अक्षरो वाणा (अर्थ होवो ज़री नथी) के जेनो प्रथम अक्षर R अने चोथो अक्षर E होय तेवा तमाम शब्दोनी संख्या केटली थाय ?

- (1)  $\frac{11!}{(2!)^3}$
- (2) 110
- (3) 56
- (4) 59

67. For  $x \in \mathbf{R}, x \neq -1$ , if

$$(1+x)^{2016} + x(1+x)^{2015} + x^2(1+x)^{2014} + \dots + x^{2016} = \sum_{i=0}^{2016} a_i x^i, \text{ then } a_{17} \text{ is equal to :}$$

- (1)  $\frac{2017!}{17! 2000!}$
- (2)  $\frac{2016!}{17! 1999!}$
- (3)  $\frac{2017!}{2000!}$
- (4)  $\frac{2016!}{16!}$

68. Let  $x, y, z$  be positive real numbers such that  $x+y+z=12$  and  $x^3y^4z^5=(0.1)(600)^3$ . Then  $x^3+y^3+z^3$  is equal to :

- (1) 270
- (2) 258
- (3) 342
- (4) 216

67.  $x \in \mathbf{R}, x \neq -1$  के लिए, यदि

$$(1+x)^{2016} + x(1+x)^{2015} + x^2(1+x)^{2014} + \dots + x^{2016} = \sum_{i=0}^{2016} a_i x^i \text{ है, तो } a_{17} \text{ बराबर है :}$$

- (1)  $\frac{2017!}{17! 2000!}$
- (2)  $\frac{2016!}{17! 1999!}$
- (3)  $\frac{2017!}{2000!}$
- (4)  $\frac{2016!}{16!}$

68. माना  $x, y, z$  ऐसी धनात्मक वास्तविक संख्याएँ हैं कि,  $x+y+z=12$  तथा  $x^3y^4z^5=(0.1)(600)^3$  है, तो  $x^3+y^3+z^3$  बराबर है :

- (1) 270
- (2) 258
- (3) 342
- (4) 216

67. यदि  $(1+x)^{2016} + x(1+x)^{2015} + x^2(1+x)^{2014}$

$$+ \dots + x^{2016} = \sum_{i=0}^{2016} a_i x^i, x \in \mathbf{R}, x \neq -1 ; \text{ तो } a_{17} =$$

- (1)  $\frac{2017!}{17! 2000!}$
- (2)  $\frac{2016!}{17! 1999!}$
- (3)  $\frac{2017!}{2000!}$
- (4)  $\frac{2016!}{16!}$

68. धारो के धन वास्तविक संख्याओं  $x, y, z$  एवं इनके ज्युथी  $x+y+z=12$  अने  $x^3y^4z^5=(0.1)(600)^3$ . तो  $x^3+y^3+z^3=$

- (1) 270
- (2) 258
- (3) 342
- (4) 216

69. The value of  $\sum_{r=1}^{15} r^2 \left( \frac{^{15}C_r}{^{15}C_{r-1}} \right)$  is equal

to :

- (1) 560
- (2) 680
- (3) 1240
- (4) 1085

70. If  $\lim_{x \rightarrow \infty} \left( 1 + \frac{a}{x} - \frac{4}{x^2} \right)^{2x} = e^3$ , then 'a' is equal to :

- (1) 2
- (2)  $\frac{3}{2}$
- (3)  $\frac{2}{3}$
- (4)  $\frac{1}{2}$

69.  $\sum_{r=1}^{15} r^2 \left( \frac{^{15}C_r}{^{15}C_{r-1}} \right)$  का मान है :

- (1) 560
- (2) 680
- (3) 1240
- (4) 1085

70. यदि  $\lim_{x \rightarrow \infty} \left( 1 + \frac{a}{x} - \frac{4}{x^2} \right)^{2x} = e^3$  है, तो 'a' बराबर

- है :
- (1) 2
  - (2)  $\frac{3}{2}$
  - (3)  $\frac{2}{3}$
  - (4)  $\frac{1}{2}$

69.  $\sum_{r=1}^{15} r^2 \left( \frac{^{15}C_r}{^{15}C_{r-1}} \right) =$

- (1) 560
- (2) 680
- (3) 1240
- (4) 1085

70. यदि  $\lim_{x \rightarrow \infty} \left( 1 + \frac{a}{x} - \frac{4}{x^2} \right)^{2x} = e^3$ , तो 'a' =

- (1) 2
- (2)  $\frac{3}{2}$
- (3)  $\frac{2}{3}$
- (4)  $\frac{1}{2}$

71. If the function

$$f(x) = \begin{cases} -x, & x < 1 \\ a + \cos^{-1}(x + b), & 1 \leq x \leq 2 \end{cases}$$

is differentiable at  $x=1$ , then  $\frac{a}{b}$  is equal to :

- (1)  $\frac{\pi - 2}{2}$
- (2)  $\frac{-\pi - 2}{2}$
- (3)  $\frac{\pi + 2}{2}$
- (4)  $-1 - \cos^{-1}(2)$

72. If the tangent at a point P, with parameter  $t$ , on the curve  $x=4t^2+3$ ,  $y=8t^3-1$ ,  $t \in \mathbb{R}$ , meets the curve again at a point Q, then the coordinates of Q are :

- (1)  $(t^2+3, -t^3-1)$
- (2)  $(4t^2+3, -8t^3-1)$
- (3)  $(t^2+3, t^3-1)$
- (4)  $(16t^2+3, -64t^3-1)$

71. यदि फलन

$$f(x) = \begin{cases} -x, & x < 1 \\ a + \cos^{-1}(x + b), & 1 \leq x \leq 2 \end{cases}$$

$x=1$  पर अवकलनीय है, तो  $\frac{a}{b}$  का मान है :

- (1)  $\frac{\pi - 2}{2}$
- (2)  $\frac{-\pi - 2}{2}$
- (3)  $\frac{\pi + 2}{2}$
- (4)  $-1 - \cos^{-1}(2)$

72. यदि वक्र  $x=4t^2+3$ ,  $y=8t^3-1$ ,  $t \in \mathbb{R}$  के बिंदु P,  $t$  प्राचल के साथ, पर स्पर्श रेखा, वक्र को दुबारा बिंदु Q पर मिलती है, तो Q के निर्देशांक हैं :

- (1)  $(t^2+3, -t^3-1)$
- (2)  $(4t^2+3, -8t^3-1)$
- (3)  $(t^2+3, t^3-1)$
- (4)  $(16t^2+3, -64t^3-1)$

71. જો વિધેય

$$f(x) = \begin{cases} -x, & x < 1 \\ a + \cos^{-1}(x + b), & 1 \leq x \leq 2 \end{cases}$$

$x=1$  આગળ વિકલનીય હોય તો  $\frac{a}{b} =$

- (1)  $\frac{\pi - 2}{2}$
- (2)  $\frac{-\pi - 2}{2}$
- (3)  $\frac{\pi + 2}{2}$
- (4)  $-1 - \cos^{-1}(2)$

72. જો વક્ર  $x=4t^2+3$ ,  $y=8t^3-1$ ,  $t \in \mathbb{R}$ , નો P બિંદુ આગળો સ્પર્શક, પ્રાચલ  $t$  સાથે, વક્ણે ફરીવાર Q બિંદુએ મળે છે તો Q બિંદુનાં યામ છે:

- (1)  $(t^2+3, -t^3-1)$
- (2)  $(4t^2+3, -8t^3-1)$
- (3)  $(t^2+3, t^3-1)$
- (4)  $(16t^2+3, -64t^3-1)$

73. The minimum distance of a point on the curve  $y=x^2-4$  from the origin is :

(1)  $\frac{\sqrt{19}}{2}$   
 (2)  $\sqrt{\frac{15}{2}}$   
 (3)  $\frac{\sqrt{15}}{2}$   
 (4)  $\sqrt{\frac{19}{2}}$

74. If

$$\int \frac{dx}{\cos^3 x \sqrt{2 \sin 2x}} = (\tan x)^A + C(\tan x)^B + k,$$

where  $k$  is a constant of integration, then  $A+B+C$  equals :

(1)  $\frac{21}{5}$   
 (2)  $\frac{16}{5}$   
 (3)  $\frac{7}{10}$   
 (4)  $\frac{27}{10}$

73. वक्र  $y=x^2-4$  के एक बिंदु से मूल बिंदु की न्यूनतम दूरी है :

(1)  $\frac{\sqrt{19}}{2}$   
 (2)  $\sqrt{\frac{15}{2}}$   
 (3)  $\frac{\sqrt{15}}{2}$   
 (4)  $\sqrt{\frac{19}{2}}$

74. यदि

$$\int \frac{dx}{\cos^3 x \sqrt{2 \sin 2x}} = (\tan x)^A + C(\tan x)^B + k$$

है, जहाँ  $k$  समाकलन अचर है, तो  $A+B+C$  बराबर है :

(1)  $\frac{21}{5}$   
 (2)  $\frac{16}{5}$   
 (3)  $\frac{7}{10}$   
 (4)  $\frac{27}{10}$

73. વક્ર  $y=x^2-4$  ઉપરનાં બિંદુઓથી ઊગમબિંદુનું ન્યૂનતમ અંતર કેટલું થાય ?

(1)  $\frac{\sqrt{19}}{2}$   
 (2)  $\sqrt{\frac{15}{2}}$   
 (3)  $\frac{\sqrt{15}}{2}$   
 (4)  $\sqrt{\frac{19}{2}}$

74. જો

$$\int \frac{dx}{\cos^3 x \sqrt{2 \sin 2x}} = (\tan x)^A + C(\tan x)^B + k,$$

જ્યાં  $k$  એ સંકલનનો અચળાંક છે, તો  $A+B+C=$

(1)  $\frac{21}{5}$   
 (2)  $\frac{16}{5}$   
 (3)  $\frac{7}{10}$   
 (4)  $\frac{27}{10}$

75. If  $2 \int_0^1 \tan^{-1} x dx = \int_0^1 \cot^{-1}(1-x+x^2) dx$ ,  
then  $\int_0^1 \tan^{-1}(1-x+x^2) dx$  is equal to :  
 (1)  $\log 4$   
 (2)  $\frac{\pi}{2} + \log 2$   
 (3)  $\log 2$   
 (4)  $\frac{\pi}{2} - \log 4$

76. The area (in sq. units) of the region described by  
 $A = \{(x, y) | y \geq x^2 - 5x + 4, x + y \geq 1, y \leq 0\}$   
 is :  
 (1)  $\frac{7}{2}$   
 (2)  $\frac{19}{6}$   
 (3)  $\frac{13}{6}$   
 (4)  $\frac{17}{6}$

75. यदि  
 $2 \int_0^1 \tan^{-1} x dx = \int_0^1 \cot^{-1}(1-x+x^2) dx$  है,  
 तो  
 $\int_0^1 \tan^{-1}(1-x+x^2) dx$  बराबर है :  
 (1)  $\log 4$   
 (2)  $\frac{\pi}{2} + \log 2$   
 (3)  $\log 2$   
 (4)  $\frac{\pi}{2} - \log 4$
76.  $A = \{(x, y) | y \geq x^2 - 5x + 4, x + y \geq 1, y \leq 0\}$   
 द्वारा निर्धारित क्षेत्र का क्षेत्रफल (वर्ग इकाइयों में) है :  
 (1)  $\frac{7}{2}$   
 (2)  $\frac{19}{6}$   
 (3)  $\frac{13}{6}$   
 (4)  $\frac{17}{6}$

75. જો  
 $2 \int_0^1 \tan^{-1} x dx = \int_0^1 \cot^{-1}(1-x+x^2) dx$ ,  
 તો  $\int_0^1 \tan^{-1}(1-x+x^2) dx =$   
 (1)  $\log 4$   
 (2)  $\frac{\pi}{2} + \log 2$   
 (3)  $\log 2$   
 (4)  $\frac{\pi}{2} - \log 4$
76. પ્રદેશ  
 $A = \{(x, y) | y \geq x^2 - 5x + 4, x + y \geq 1, y \leq 0\}$  નું  
 ક્ષેત્રફળ (ચો.એકમમાં) કેટલું થશે ?  
 (1)  $\frac{7}{2}$   
 (2)  $\frac{19}{6}$   
 (3)  $\frac{13}{6}$   
 (4)  $\frac{17}{6}$

77. If  $f(x)$  is a differentiable function in the interval  $(0, \infty)$  such that  $f(1) = 1$  and  $\lim_{t \rightarrow x} \frac{t^2 f(x) - x^2 f(t)}{t - x} = 1$ , for each  $x > 0$ , then  $f\left(\frac{3}{2}\right)$  is equal to :

- (1)  $\frac{13}{6}$
- (2)  $\frac{23}{18}$
- (3)  $\frac{25}{9}$
- (4)  $\frac{31}{18}$

78. If a variable line drawn through the intersection of the lines  $\frac{x}{3} + \frac{y}{4} = 1$  and  $\frac{x}{4} + \frac{y}{3} = 1$ , meets the coordinate axes at A and B, ( $A \neq B$ ), then the locus of the midpoint of AB is :
- (1)  $6xy = 7(x+y)$
  - (2)  $4(x+y)^2 - 28(x+y) + 49 = 0$
  - (3)  $7xy = 6(x+y)$
  - (4)  $14(x+y)^2 - 97(x+y) + 168 = 0$

77. यदि  $f(x)$ , अंतराल  $(0, \infty)$  में एक ऐसा अवकलनीय फलन है कि  $f(1) = 1$  तथा प्रत्येक  $x > 0$  के लिए,  $\lim_{t \rightarrow x} \frac{t^2 f(x) - x^2 f(t)}{t - x} = 1$  है, तो  $f\left(\frac{3}{2}\right)$  बराबर है :

- (1)  $\frac{13}{6}$
- (2)  $\frac{23}{18}$
- (3)  $\frac{25}{9}$
- (4)  $\frac{31}{18}$

78. यदि रेखाओं  $\frac{x}{3} + \frac{y}{4} = 1$  तथा  $\frac{x}{4} + \frac{y}{3} = 1$  के प्रतिच्छेदन से होकर जाने वाली एक चर रेखा इस प्रकार खींची गई है कि यह निर्देशांक अक्षों को A तथा B, ( $A \neq B$ ) पर मिलती है, तो AB के मध्यबिंदु का बिंदुपथ है :
- (1)  $6xy = 7(x+y)$
  - (2)  $4(x+y)^2 - 28(x+y) + 49 = 0$
  - (3)  $7xy = 6(x+y)$
  - (4)  $14(x+y)^2 - 97(x+y) + 168 = 0$

77. જો વિધેય  $f(x)$  અંતરાલ  $(0, \infty)$  ઉપર વિકલનીય હોય તથા  $f(1) = 1$  અને  $\lim_{t \rightarrow x} \frac{t^2 f(x) - x^2 f(t)}{t - x} = 1$  પ્રત્યેક  $x > 0$  માટે હોય તો  $f\left(\frac{3}{2}\right) =$

- (1)  $\frac{13}{6}$
- (2)  $\frac{23}{18}$
- (3)  $\frac{25}{9}$
- (4)  $\frac{31}{18}$

78. રેખાઓ  $\frac{x}{3} + \frac{y}{4} = 1$  અને  $\frac{x}{4} + \frac{y}{3} = 1$  નાં છેદમાંથી પસાર થતી એક ચલિત રેખા યામાંકોને બિંદુઓ A અને B, ( $A \neq B$ ) માં મળે છે. રેખાખંડ AB ના મધ્યબિંદુનો બિંદુપથ ક્યા સમીકરણનું સમાધાન કરશે ?

- (1)  $6xy = 7(x+y)$
- (2)  $4(x+y)^2 - 28(x+y) + 49 = 0$
- (3)  $7xy = 6(x+y)$
- (4)  $14(x+y)^2 - 97(x+y) + 168 = 0$

79. The point  $(2, 1)$  is translated parallel to the line  $L : x - y = 4$  by  $2\sqrt{3}$  units. If the new point  $Q$  lies in the third quadrant, then the equation of the line passing through  $Q$  and perpendicular to  $L$  is :

- (1)  $x + y = 2 - \sqrt{6}$
- (2)  $x + y = 3 - 3\sqrt{6}$
- (3)  $x + y = 3 - 2\sqrt{6}$
- (4)  $2x + 2y = 1 - \sqrt{6}$

80. A circle passes through  $(-2, 4)$  and touches the  $y$ -axis at  $(0, 2)$ . Which one of the following equations can represent a diameter of this circle ?

- (1)  $4x + 5y - 6 = 0$
- (2)  $2x - 3y + 10 = 0$
- (3)  $3x + 4y - 3 = 0$
- (4)  $5x + 2y + 4 = 0$

81. Let  $a$  and  $b$  respectively be the semi-transverse and semi-conjugate axes of a hyperbola whose eccentricity satisfies the equation  $9e^2 - 18e + 5 = 0$ . If  $S(5, 0)$  is a focus and  $5x = 9$  is the corresponding directrix of this hyperbola, then  $a^2 - b^2$  is equal to :

- (1) 7
- (2) -7
- (3) 5
- (4) -5

79. बिंदु  $(2, 1)$  को रेखा  $L : x - y = 4$  के समांतर,  $2\sqrt{3}$  इकाई स्थानान्तरित किया गया। यदि नया बिंदु  $Q$  तीसरे चतुर्थांश में स्थित है, तो बिंदु  $Q$  से होकर जाने वाली तथा  $L$  के लंबवत रेखा का समीकरण है :

- (1)  $x + y = 2 - \sqrt{6}$
- (2)  $x + y = 3 - 3\sqrt{6}$
- (3)  $x + y = 3 - 2\sqrt{6}$
- (4)  $2x + 2y = 1 - \sqrt{6}$

80. एक वृत्त बिंदु  $(-2, 4)$  से हो कर जाता है तथा  $y$ -अक्ष को  $(0, 2)$  पर स्पर्श करता है। निम्न में से कौन सा एक समीकरण इस वृत्त के व्यास को निरूपित करता है ?

- (1)  $4x + 5y - 6 = 0$
- (2)  $2x - 3y + 10 = 0$
- (3)  $3x + 4y - 3 = 0$
- (4)  $5x + 2y + 4 = 0$

81. माना  $a$  तथा  $b$  क्रमशः, एक अतिपरवलय जिसकी उत्केन्द्रता समीकरण  $9e^2 - 18e + 5 = 0$  को संतुष्ट करती है, के अर्धअनुप्रस्थ अक्ष तथा अर्धसंयुग्मी अक्ष हैं। यदि  $S(5, 0)$  इस अतिपरवलय की एक नाभि तथा  $5x = 9$  संगत नियन्ता (directrix) है, तो  $a^2 - b^2$  बराबर है :

- (1) 7
- (2) -7
- (3) 5
- (4) -5

79. बिंदु  $(2, 1)$  नुं  $2\sqrt{3}$  एकमध्यी रेखा  $L : x - y = 4$  ने समांतर स्थानान्तरण करवामां आवे छे. जो आ नयुं बिंदु  $Q$  त्रीज चरणामां आवेल होय तो  $Q$  मांथी पसार थती अने  $L$  ने लंब होय तेवी रेखानुं समीकरण छे:

- (1)  $x + y = 2 - \sqrt{6}$
- (2)  $x + y = 3 - 3\sqrt{6}$
- (3)  $x + y = 3 - 2\sqrt{6}$
- (4)  $2x + 2y = 1 - \sqrt{6}$

80. एक वर्तुण  $(-2, 4)$  मांथी पसार थाय छे अने  $y$ -अक्षने बिंदु  $(0, 2)$  आगण स्पर्शो छे. नीचेनामांथी कयुं समीकरण आ वर्तुणां व्यासने समावती रेखा दर्शावशे ?

- (1)  $4x + 5y - 6 = 0$
- (2)  $2x - 3y + 10 = 0$
- (3)  $3x + 4y - 3 = 0$
- (4)  $5x + 2y + 4 = 0$

81. धारो के  $a$  अने  $b$  अनुकमे ए अतिवलयनां अर्ध मुख्यअक्ष अने अर्ध अनुभद्ध अक्षनां माप छे जेनी उत्केन्द्रता समीकरण  $9e^2 - 18e + 5 = 0$  नुं समाधान करे छे. जो  $S(5, 0)$  ए नाभि अने अनुङ्ग नियाभिका  $5x = 9$  होय तो आ अतिवलय माटे  $a^2 - b^2$  बराबर :

- (1) 7
- (2) -7
- (3) 5
- (4) -5

82. If the tangent at a point on the ellipse

$$\frac{x^2}{27} + \frac{y^2}{3} = 1$$

meets the coordinate axes at A and B, and O is the origin, then the minimum area (in sq. units) of the triangle OAB is :

- (1)  $\frac{9}{2}$
- (2)  $3\sqrt{3}$
- (3)  $9\sqrt{3}$
- (4) 9

83. The shortest distance between the lines

$$\frac{x}{2} = \frac{y}{2} = \frac{z}{1} \text{ and } \frac{x+2}{-1} = \frac{y-4}{8} = \frac{z-5}{4}$$

lies in the interval :

- (1) [0, 1)
- (2) [1, 2)
- (3) (2, 3]
- (4) (3, 4]

82. यदि दीर्घवृत्त  $\frac{x^2}{27} + \frac{y^2}{3} = 1$  के एक बिंदु पर खोंची

गई स्पर्श रेखा, निर्देशांक अक्षों को A तथा B पर मिलती है तथा O मूल बिंदु है, तो त्रिभुज OAB का न्यूनतम क्षेत्रफल (वर्ग इकाइयों में) है :

- (1)  $\frac{9}{2}$
- (2)  $3\sqrt{3}$
- (3)  $9\sqrt{3}$
- (4) 9

83. रेखाओं  $\frac{x}{2} = \frac{y}{2} = \frac{z}{1}$  तथा

$$\frac{x+2}{-1} = \frac{y-4}{8} = \frac{z-5}{4}$$

के बीच की न्यूनतम

दूरी, जिस अंतराल में है, वह है :

- (1) [0, 1)
- (2) [1, 2)
- (3) (2, 3]
- (4) (3, 4]

82. જો ઉપવલય  $\frac{x^2}{27} + \frac{y^2}{3} = 1$  નો સ્પર્શક, યામાંકોને

A અને B બિંદુમાં મળતો હોત તથા જો O ઉગમબિંદુ હોય તો ત્રિકોણ OAB નું લધુતમ ક્ષેત્રફળ (ચો.એકમમાં) કેટલું થાય ?

- (1)  $\frac{9}{2}$
- (2)  $3\sqrt{3}$
- (3)  $9\sqrt{3}$
- (4) 9

83. રેખાઓ  $\frac{x}{2} = \frac{y}{2} = \frac{z}{1}$  અને

$$\frac{x+2}{-1} = \frac{y-4}{8} = \frac{z-5}{4}$$

વચ્ચેનું લધુતમ અંતર

ક્યા અંતરાલમાં આવેલ છે ?

- (1) [0, 1)
- (2) [1, 2)
- (3) (2, 3]
- (4) (3, 4]

84. The distance of the point  $(1, -2, 4)$  from the plane passing through the point  $(1, 2, 2)$  and perpendicular to the planes  $x - y + 2z = 3$  and  $2x - 2y + z + 12 = 0$ , is :

(1)  $2\sqrt{2}$   
 (2) 2  
 (3)  $\sqrt{2}$   
 (4)  $\frac{1}{\sqrt{2}}$

85. In a triangle ABC, right angled at the vertex A, if the position vectors of A, B and C are respectively  $3\hat{i} + \hat{j} - \hat{k}$ ,  $-\hat{i} + 3\hat{j} + p\hat{k}$  and  $5\hat{i} + q\hat{j} - 4\hat{k}$ , then the point  $(p, q)$  lies on a line :

(1) parallel to  $x$ -axis.  
 (2) parallel to  $y$ -axis.  
 (3) making an acute angle with the positive direction of  $x$ -axis.  
 (4) making an obtuse angle with the positive direction of  $x$ -axis.

84. बिंदु  $(1, -2, 4)$  की उस समतल से दूरी, जो बिंदु  $(1, 2, 2)$  से हो कर जाता है तथा समतलों  $x - y + 2z = 3$  तथा  $2x - 2y + z + 12 = 0$  के लंबवत है, है :

(1)  $2\sqrt{2}$   
 (2) 2  
 (3)  $\sqrt{2}$   
 (4)  $\frac{1}{\sqrt{2}}$

85. एक त्रिभुज ABC, जो कि शीर्ष A पर समकोण है, में A, B तथा C के स्थिति सदिश क्रमशः

$3\hat{i} + \hat{j} - \hat{k}$ ,  $-\hat{i} + 3\hat{j} + p\hat{k}$  तथा  $5\hat{i} + q\hat{j} - 4\hat{k}$  हैं, तो बिंदु  $(p, q)$  जिस रेखा पर स्थित है, वह :

(1)  $x$ -अक्ष के समांतर है।  
 (2)  $y$ -अक्ष के समांतर है।  
 (3)  $x$ -अक्ष की धनात्मक दिशा से न्यून कोण बनाती है।  
 (4)  $x$ -अक्ष की धनात्मक दिशा से अधिक कोण बनाती है।

84. बिंदु  $(1, 2, 2)$  मांथी पसार थतां अने समतलों  $x - y + 2z = 3$  अने  $2x - 2y + z + 12 = 0$  ने लंब होय तेवा समतलनुं बिंदु  $(1, -2, 4)$  थी अंतर केटलुं थाय ?

(1)  $2\sqrt{2}$   
 (2) 2  
 (3)  $\sqrt{2}$   
 (4)  $\frac{1}{\sqrt{2}}$

85. ધારો કે ત્રિકોણ ABC માં શિરોબિંદુ A આગળ કાટખૂણો રચાય છે. જો બિંદુ A, B અને C નાં સ્થાન સદિશો

અનુક્રમે  $3\hat{i} + \hat{j} - \hat{k}$ ,  $-\hat{i} + 3\hat{j} + p\hat{k}$  અને  $5\hat{i} + q\hat{j} - 4\hat{k}$  હોય તો, બિંદુ  $(p, q)$  જે રેખા ઉપર આવેલ છે તે

(1)  $x$ -અક્ષને સમાંતર છે.  
 (2)  $y$ -અક્ષને સમાંતર છે.  
 (3) ધન  $x$ -અક્ષ સાથે લઘુકોણ બનાવે છે.  
 (4) ધન  $x$ -અક્ષ સાથે ગુરુકોણ બનાવે છે.

86. If the mean deviation of the numbers  $1, 1+d, \dots, 1+100d$  from their mean is 255, then a value of  $d$  is :

- (1) 10.1
- (2) 20.2
- (3) 10
- (4) 5.05

87. If A and B are any two events such that  $P(A) = \frac{2}{5}$  and  $P(A \cap B) = \frac{3}{20}$ , then the conditional probability,  $P(A|(A' \cup B'))$ , where  $A'$  denotes the complement of A, is equal to :

- (1)  $\frac{1}{4}$
- (2)  $\frac{5}{17}$
- (3)  $\frac{8}{17}$
- (4)  $\frac{11}{20}$

88. The number of  $x \in [0, 2\pi]$  for which  $\left| \sqrt{2\sin^4 x + 18\cos^2 x} - \sqrt{2\cos^4 x + 18\sin^2 x} \right| = 1$  is :

- (1) 2
- (2) 4
- (3) 6
- (4) 8

86. यदि संख्याओं  $1, 1+d, \dots, 1+100d$  के माध्य से माध्य-विचलन 255 है, तो  $d$  का एक मान है :

- (1) 10.1
- (2) 20.2
- (3) 10
- (4) 5.05

87. यदि A तथा B दो ऐसी घटनाएँ हैं कि  $P(A) = \frac{2}{5}$  तथा  $P(A \cap B) = \frac{3}{20}$  है, तो प्रतिबंधित प्रायिकता  $P(A|(A' \cup B'))$ , जहाँ  $A'$ , A के पूरक समुच्चय को निर्दिष्ट करता है, बराबर है :

- (1)  $\frac{1}{4}$
- (2)  $\frac{5}{17}$
- (3)  $\frac{8}{17}$
- (4)  $\frac{11}{20}$

88.  $x \in [0, 2\pi]$  की संख्या, जिनके लिए

$$\left| \sqrt{2\sin^4 x + 18\cos^2 x} - \sqrt{2\cos^4 x + 18\sin^2 x} \right| = 1, \text{ है :}$$

- (1) 2
- (2) 4
- (3) 6
- (4) 8

86. જો સંખ્યાઓ  $1, 1+d, \dots, 1+100d$  નું મધ્યક થી મધ્યક-વિચલન (સરેરાશ વિચલન) 255 હોય તો  $d$  ની કિંમત કેટલી થાય ?

- (1) 10.1
- (2) 20.2
- (3) 10
- (4) 5.05

87. જો ઘટનાઓ A અને B માટે  $P(A) = \frac{2}{5}$  અને  $P(A \cap B) = \frac{3}{20}$  હોય તો શરતી સંભાવના  $P(A|(A' \cup B'))$  કેટલી થાય ? અહીં  $A'$  એ A નો પૂરક દર્શાવે છે ?

- (1)  $\frac{1}{4}$
- (2)  $\frac{5}{17}$
- (3)  $\frac{8}{17}$
- (4)  $\frac{11}{20}$

88.  $x \in [0, 2\pi]$  અને

$$\left| \sqrt{2\sin^4 x + 18\cos^2 x} - \sqrt{2\cos^4 x + 18\sin^2 x} \right|$$

= 1 હોય તેવા કેટલા x મળશે ?

- (1) 2
- (2) 4
- (3) 6
- (4) 8

89. If  $m$  and  $M$  are the minimum and the maximum values of

$$4 + \frac{1}{2}\sin^2 2x - 2\cos^4 x, x \in \mathbb{R}, \text{ then}$$

$M - m$  is equal to :

- (1)  $\frac{15}{4}$
- (2)  $\frac{9}{4}$
- (3)  $\frac{7}{4}$
- (4)  $\frac{1}{4}$

90. Consider the following two statements :

P : If 7 is an odd number, then 7 is divisible by 2.

Q : If 7 is a prime number, then 7 is an odd number.

If  $V_1$  is the truth value of the contrapositive of P and  $V_2$  is the truth value of contrapositive of Q, then the ordered pair  $(V_1, V_2)$  equals :

- (1) (T, T)
- (2) (T, F)
- (3) (F, T)
- (4) (F, F)

- o O o -

89. यदि  $m$  तथा  $M$ , व्यंजक

$$4 + \frac{1}{2}\sin^2 2x - 2\cos^4 x, x \in \mathbb{R} \text{ के क्रमशः}$$

न्यूनतम तथा अधिकतम मान हैं, तो  $M - m$  बराबर है :

- (1)  $\frac{15}{4}$
- (2)  $\frac{9}{4}$
- (3)  $\frac{7}{4}$
- (4)  $\frac{1}{4}$

90. निम्न दो कथनों पर विचार कीजिए :

P : यदि 7 एक विषम संख्या है, तो 7, 2 से भाज्य है।

Q : यदि 7 एक अभाज्य संख्या है, तो 7 एक विषम संख्या है।

यदि  $V_1$ , P के प्रतिधनात्मक का सत्यमान है तथा  $V_2$ , Q के प्रतिधनात्मक का सत्यमान है, तो क्रमित युग्म  $(V_1, V_2)$  बराबर है :

- (1) (T, T)
- (2) (T, F)
- (3) (F, T)
- (4) (F, F)

- o O o -

89. जो  $m$  अने  $M$  ए  $4 + \frac{1}{2}\sin^2 2x - 2\cos^4 x$ ,

$x \in \mathbb{R}$  नां न्यूनतम अने महतम भूल्यो होय तो  $M - m$  नी किमत केटली थरो ?

- (1)  $\frac{15}{4}$
- (2)  $\frac{9}{4}$
- (3)  $\frac{7}{4}$
- (4)  $\frac{1}{4}$

90. नीयेना बे विधानो आपेत छे :

P : जो 7 ए अयुग्म संख्या होय तो 7 ने 2 वडे निःशेष भागी शक्य छे।

Q : जो 7 ए अविभाज्य संख्या होय तो 7 अयुग्म छे।

जो  $V_1$  ए P भां समानार्थी प्रेरण (contrapositive) नु सत्यार्थता भूल्य अने  $V_2$  ए Q ना समानार्थी प्रेरणानां सत्यार्थता भूल्य होय तो किम्युक्त जोड  $(V_1, V_2)$  भराखर:

- (1) (T, T)
- (2) (T, F)
- (3) (F, T)
- (4) (F, F)

- o O o -